राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार,11 अक्टूबर–2021 वर्ष–4,अंक–260 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में गृह मंत्री हर्ष संघवी का भव्य स्वागत

गृह मंत्री हर्ष सांघवी जन आशीर्वाद यात्रा पर सूरत पहुंचे हैं। उन्होंने पीपुलोड-कारगिल चौक पर अपनी यात्रा शुरू की और सरगम शॉपिंग सेंटर, गोकुलम डेयरी, सिटीलाइट अशोक पान सेंटर, पानास गांव, आलथन में सोहम सामुदायिक हॉल में समाप्त होगी। यात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

हर्ष सांघवी के गृह मंत्री बनने के बाद पहली बार सूरत में हजारों समर्थक उमड़े । जन आशीर्वाद यात्रा के जरिए वे अपने क्षेत्र के लोगों तक पहुंचे। सूरत की सड़कों पर हजारों की संख्या में हर्ष सांघवी के समर्थक उमड़ पड़े। नरेंद्र मोदी और फिर सीआर पाटिल के उनके निर्वाचन क्षेत्र में स्वागत करने के लिए अब तक सूरत में इतने लोग जमा हो चुके हैं। लेकिन हर्ष सांघवी की यात्रा में हजारों की संख्या में खुशी-खुशी शामिल होना यह तथ्य दिखा रहा है कि हर्ष सांघवी सूरत की राजनीति और भविष्य के गुजरात की राजनीति में कितने महत्वपूर्ण हैं। माजुरा विधानसभा क्षेत्र के अंदर पूरा माहौल भगवा रंग में रंग गया। हर्ष सांघवी का उनके समर्थकों और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ढोल नगर आतिशबाजी, भारत माताकी जया के नारे के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया।

आशीर्वाद यात्रा का आयोजन कर रहे लोगों तक भाजपा नेता लगातार अपने-अपने क्षेत्र में भव्य स्वागत कर रहे हैं. उनका अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर स्वागत हो रहा है। सूरत में लोग मंत्री पद मिलने के बाद खुशी-खुशी उनका स्वागत कर रहे हैं. बीजेपी एक के बाद एक मंत्री को सुनियोजित तरीके से सूरत बुलाकर एक तरह का जनसंपर्क अभियान चला रही है.

पाक मरीन द्वारा फिशिंग बोट समेत 6 मछुआरों का अपहरण

पोरबंदर,पाकिस्तान ने फिर एक बार नापाक हरकत को अंजाम दिया है। पाकिस्तान मरीन सिक्युरिटी ने गुजरात में पोरबंदर के समुद्र से फिशिंग बोट समेत 6 मछुआरों को अपहरणकर लिया है।

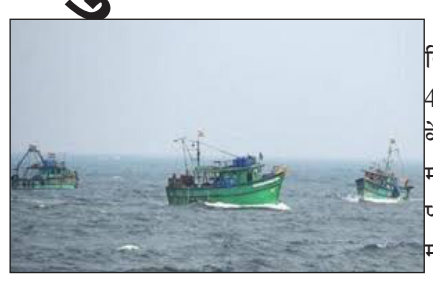

कुछ दिन पहले ही 4 फिशिंग बोट के साथ 24 मछुआरों का पाकिस्तानी मरीन सिक्युरिटी ने अपहरण किया था। आज पोरबंदर की 1 बोट के साथ 6 मछुआरों के अपहरण से मछुआरों में आक्रोश व्याप्त है। हर साल नवरात्रि के दौरान फिशिंग बोटों के अपहरण से मछुआरों में दहशत है।

10 महीने के शिवांश मामले में नया मोड, सचिन ने ही उसकी माता की गला घोंटकर हत्या की

अहमदाबाद,शुक्रवार की रात गांधीनगर के पेथापुर स्थित स्वामीनारायण मंदिर के निकट से लावरीस हालत में १० महीना का मासूम बच्चा शिवांश मिला था। शिवांश के माता-पिता की तलाश में गांधीनगर पुलिस ने खास मुहिम चलाई और उसके पिता सचिन नंदकिशोर दीक्षित को राजस्थान के कोटा से हिरासत में ले लिया। सचिन को गांधीनगर लाए जाने के बाद उससे पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। गांधीनगर रेंज आई अभय चूडास्मा ने बताया कि गांधीनगर के सेक्टर 26 की ग्रीन सोसायटी में सचिन नंदकिशोर दीक्षित पत्नी आराधना और चार साल के बेटे का साथ रहता था। विवाहित और एक पुत्र का पिता होने के बावजूद सचिन ने मेहंदी पेथानी नामक युवती के साथ दूसरी शादी की। जूनागढ़ जिले की केशोद की मूल निवासी मेंहदी पेथानी की माता की मौत होने के बाद उसके पिता ने दूसरी शादी कर ली। जिससे मेंहदी अहमदाबाद के बोपल क्षेत्र में अपने मौसा-मौसी के घर रहने लगी और शहर के एक शो रूम में नौकरी करने लगी। इस दौरान मेंहदी और सचिन की मुलाकात हुई और दोनों एक दूसरे प्यार करने लगे। वर्ष 2019 से मेंहदी और सचिन लीव इन में रहने लगे। वर्ष 2020 में शिवांश का जन्म हुआ। गत जून महीने में सचिन की वडोदरा में तबादला होने पर मेंहदी और शिवांश के साथ सचिन वडोदरा में शिफ्ट हो गया। वडोदरा के बापोद क्षेत्र के दर्शनम ओवरसिज के जी-102 में सचिन मेंहदी और शिवांश के साथ किराये पर रहता था। सोमवार से शुक्रवार सचिन मेंहदी और शिवांश के साथ रहता और शनिवार-रविवार को गांधीनगर स्थित पत्नी आराधना और चार साल के बेटे का साथ समय बिताता। शुक्रवार को सचिन ने मेंहदी से कहा कि उसे मता-पिता के साथ राजस्थान जाना है। जिसे सुनकर मेंहदी भड़क गई और हमेशा साथ रहने की जिद पर अड़ गई। इस बात को लेकर दोनों के बीच नोंकझोंक हुई, जो इतनी बढ़ गई कि सचिन ने गल घोंटकर मेंहदी की हत्या कर दी। घटना के वक्त10 महीने का मासूम बच्चा भी वहीं मौजूद था और बिलख बिलख कर रो रहा था। मासूम बच्चे को क्या पता कि माता-पिता के बीच क्या हो रहा है? मेंहदी की हत्या करने के बाद सचिन ने उसका शव पैक किया और उसी मकान में छोड़ दिया और शिवांश को लेकर वडोदरा से रवाना हो गया। शुक्रवार की रात सचिन ने शिवांश को गांधीनगर के पेथापुर स्थित स्वामीनारायण मंदिर के निकट लावारीश हालत में छोड़ दिया और राजस्थान भाग गया। लेकिन मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई सचिन की सफेद रंग की सेंट्रो कार ने पुलिस को सचिन तक पहुंचा दिया। खुलासे के बाद पुलिस सचिन को लेकर उसके वडोदरा स्थित मकान पर पहुंची। जहां से मेंहदी का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए वडोदरा के एसजी अस्पताल भेज दिया।

हर देश कि जिम्मेदारी पर्यावरण को बचाने की –जुडिशियल कॉउन्सिल

नई दिल्ली :(न्यूज़ वार्ता) 10 अक्टूबर दुनिया भर में ग्रीन वर्ल्ड डे के रूप में मनाया जाता है

जुडिशियल कॉउन्सिल के आवाहन पर देश , विदेश में दिल्ली , बिलासपुर ,दार्जलिंग ,झाँसी, इंदौर कानपुर,अफ्रीका , इंग्लैंड , पाकिस्तान, अमेरिका, आदि में बड़ी संख्या में पेड़ पौधे लगाए गए इस अवसर पर जुडिशियल कॉउन्सिल द्वारा वर्चुअल बैठक के दौरान काफी विषयों पर चर्चा भी हुई । जुडिशियल कॉउन्सिल के डायरेक्टर जनरल श्री राजीव अग्निहोत्री ने कहा पर्यावरण को बचाना अति आवश्यक है। पर्यावरण को बचाना है, पेड़ पौधे लगाने होंगे । आने वाले दिनों में इसके बिना जीना मुश्किल हो जाएगा। हमारा दायित्व सिर्फ पौधे लगाना नहीं, पौधे लगाने के साथ साथ इनको बचाना भी है , हर देश कि जिम्मेदारी पर्यावरण को बचाने कि होनी चाहिए । आज जिस प्रकार से जंगलो का दोहन किया जा रहा है कुछ समय बाद हम विरासत में आने वाली पीढ़ियों के लिए सिर्फ बीमारियां ही छोड़ जायेंगे नेट ज़ीरो ट्रांजिशन का एक प्राकृतिक उपाय है वृक्षारोपण । श्री अग्निहोत्री ने कहा कि पूरे विश्व के सामने वन क्षेत्र को बचाना सबसे बड़ी चुनौती उन्होंने इस मौके पर पूरी दुनिया को चेताया भी । प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी को अपने लिखे एक पत्र में उन्होंने मांग की और लिखा की जंगल की सुरक्षा के लिए फारेस्ट रेंजर्स की संख्या बढ़ाई जाये और औद्योगिक पेड़ लगाए जाएँ और उसके लिए जमीन

मुकर्रर कि जाये तथा कहा मेरा सपना है एक लाख करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य हम लोंगो को सपना देखना चाहिए साथ ही प्रयास भी करना चाहिए । न्यूज़ वार्ता संवादाता से बातचीत में श्री अग्निहोत्री ने कुछ लोगों कि चर्चा भी की जिसमें ३ साल के अयान बेहर का जिक्र भी किया जिसने छोटी उम्र में ही आवाहन पर पौधा लगाया । इंग्लैंड से डॉक्टर अतुल गन्देचा , राक्सा कोटेचा ,नाइजीरिया से हमजा , हिसार से साधुराम सिंह सबके अंदर का जोश यह दर्शाता है की पर्यावरण की रक्षा के लिए तत्पर हैं लोग । मेंबर एनवायरनमेंट कमिटी विंग कमांडर सतीश कुमार मिश्रा (अवकाश प्राप्त) ने कहा तापमान में बढ़ोत्तरी के कारण पृथ्वी की कुछ जलवायु प्रणालियां पहले से ही ख़तरनाक तौर पर असंतुलित हो चुकी हैं.पेड़ों का लगातार लगाना जारी रहना चाहिये। दुनिया पहले ही 1.1 डिग्री गर्म हो चुकी है और अगर पेरिस समझौते में तय किये गए लक्ष्य को पाना है तो 2030 तक वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 45त्न की कटौती करने की आवश्यकता है ।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

आतंक का बदलता ट्रेंड़

धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर 'टारगेट किलिंग' यानी पहचान के बाद हत्या करने का चलन वाकई हर किसी के लिए चिंता की बात है। पिछले पांच दिनों में 7 नागरिकों की आतंकवादियों द्वारा हत्या की गई है। ये दृश्य 1990 के दशक के खूनी दौर की याद दिला रहे हैं जब गैर मुस्लिमों को चुन-चुनकर मारा गया था। कश्मीर में वर्षों से रह रहे हिंदू और सिख समुदायों को खास तौर पर निशाना बनाया गया था। अब फिर से पाकिस्तान ने यह खूनी खेल शुरू किया है। कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के प्रयासों और उनकी संपत्तियों से कब्जे हटाने की कवायद के बीच इस तरह की कायराना हरकत को अंजाम दिया जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई को यह रास नहीं आ रहा है कि सरकार ने कश्मीरी पंडितों की संपत्तियों से कब्जा हटाने का अभियान शुरू किया है। ज्ञात हो कि 2019 में कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद घाटी में आतंकवादी वारदात में काफी कमी आई है। पत्थरबाजी तो खैर खत्म ही हो गई है। कह सकते हैं कि घाटी में अमन और सुकून का माहौल था। केंद्र सरकार की नीति रही कि यहां सबसे पहले जनता का दिल जीता जाए और स्थानीय समस्याओं को दूर किया जाए। जनता में विश्वास बहाली के सरकार के प्रयासों को निश्चित तौर पर सफलता मिल भी रही है। स्थानीय बेरोजगार हाथों को रोजगार भी बड़े पैमाने पर देने की रणनीति पर सफलतापूर्वक काम किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर पाकिस्तान में बैठे आतंकी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और द रेजिस्टेंस फ्रंट को आम लोगों को निशाना बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूरी साजिश इनमें खौफ का वातावरण बनाने की है। पिछले कुछ दिनों की घटनाएं वाकई सरकार के लिए चिंता का सबब हैं। इन्हें कैसे खत्म किया जाए यह सरकार के साथ ही सुरक्षा बलों के लिए बड़ी चुनौती है। सिर्फ हिंदुओं और सिखों को निशाने पर लेना, दरअसल घाटी में आपसी भाईचारे और अमन-चैन को खत्म करना है। इसलिए सरकार को जल्द-से-जल्द एक्शन में आना होगा। उन तत्वों की पहचान करनी होगी जो स्थानीय आबादी में घुल-मिलकर ऐसी घटिया हरकत को अंजाम दे रहे हैं। साथ ही सरकार को अपनी रणनीति और नीति दोनों पर नई दृष्टि ड़ालनी होगी।

मारक महंगाई

ऐसे दौर में जब कोरोना संकट से उपजे हालात में आम आदमी की आय के स्रोतों का हुआ संकुचन अभी सामान्य स्थिति तक नहीं पहुंचा है, आये दिन बढ़ने वाली महंगाई मुसीबत बढ़ा रही है। निस्संदेह, विकास सरकार का प्रिय शगल है, उसके लिये आय के स्रोत भी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि कोरोना संकट के दौरान सरकार की आय के स्रोत भी सिमटे हैं। लेकिन सत्ताधीशों की राजनीतिक विलासिताएं भी तो कम नहीं हुई हैं। देश के विभिन्न भागों में पेट्रोल-डीजल के दाम सौ का आंकड़ा पार कर गये हैं, जिससे माल-ढुलाई में वृद्धि से महंगाई की लहर आना सुनिश्चित है। हाल ही में घरेलू गैस के दामों में वृद्धि चुभने वाली है। अब सामान्य गैस सिलेंडर की कीमत नौ सौ रुपये पार कर चुकी है। सरकार की दलील है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में तेजी से देश में ईंधन के दाम बढ़ रहे हैं। इसका निर्धारण देश की पेट्रोलियम कंपनियां करती हैं। यह भी कि इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। लेकिन यह बयान कई सवालों को जन्म देता है कि जब कोरोना संकट के दौरान कच्चे तेल के दामों में अप्रत्याशित कटौती हुई तो उसका लाभ उपभोक्ताओं को क्यों नहीं दिया गया? उस दौरान सरकार ने नये टैक्स क्यों लगाये? क्यों पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लाने के लिये ईमानदार कोशिश नहीं की जाती? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि केंद्र व राज्य सरकारें पेट्रोलियम पदार्थों पर मनमाना कर लगाकर अपना खजाना भरती हैं। तेल की कीमत का दो-तिहाई हिस्सा केंद्र व राज्य सरकारों के खाते में जाता है। ऐसे वक्त में जब कोरोना संकट में परिवार चलाने वाले लाखों लोग असमय काल कवलित हो गये, लाखों लोगों की नौकरियां चली गई, लाखों लोगों की तनख्वाहें कम हो गई हैं तो क्या सत्ताधीशों को संवेदनशील व्यवहार दिखाते हुए आम आदमी को राहत देने की कोशिश नहीं करनी चाहिए?

दरअसल, ऐसा भी नहीं है कि महंगाई की आग सिर्फ पेट्रोलियम पदार्थों में लगी है। दूध, खाद्य तेलों, दालों व चायपत्ती की कीमतें पूछकर आम आदमी चौंकता है। उसे ये बढ़ी हुई अप्रत्याशित कीमतें टीस देती हैं। सत्ताधीश भी जानते हैं कि इन चीजों के बिना आम आदमी का गुजारा नहीं होता, इसलिये चलने दो। लेकिन देश में कोई तंत्र तो होना ही चाहिए जो बाजार की निरंकुश सत्ता को चुनौती दे सके। देश में मानसून सामान्य रहा है। खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। तो फिर खाने-पीने की वस्तुओं की कीमत क्यों बढ़ रही है? देश के अन्न उत्पादक को भी लाभ नहीं है और उपभोक्ता को भी लाभ नहीं है तो लाभ में कौन है? जो राजनीतिक दल कल तक महंगाई का विलाप करते थे और गैस का सिलेंडर लेकर सड़कों पर उतरा करते थे, उन्हें क्या आम आदमी की आह दिखायी नहीं देती? देश में त्योहारों का मौसम आ रहा है। जब व्यक्ति दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति बड़ी मुश्किल से कर पा रहा है तो वह क्या त्योहार मनाएगा? रेलवे के कर्मचारियों के लिये सरकार ने बोनस की घोषणा कर दी है। यह तथ्य है कि कोरोना संकट मे रेलें सामान्य ढंग से चल नहीं पायी हैं। केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा महंगाई भत्ते भी बढ़ा दिये जायेंगे लेकिन शेष बड़ी आबादी को राहत देने के लिये कुछ नहीं किया जायेगा। आखिर जनता इस महंगाई की सुनामी से कब और कैसे उबरेगी? जो लोग कोरोना की लहर से बच गये, वे महंगाई की लहर की चपेट में हैं। कीमतें रोज नये कीर्तिमान बना रही हैं। सत्ताधीश खामोश हैं। जनता को भी नहीं मालूम कि इस महंगाई की सीमा कहां तक है। देश के लोगों को कैसे चीजें उचित दाम पर मिलें, इसी के प्रबंधन का नाम तो सरकार है। कहीं न कहीं ऐसा लगता है कि आवश्यक वस्तु संग्रहण पर अंकुश खत्म होने से जमाखोरी अनियंत्रित हो गई है।

विदेशी मीडिया

ताइवान को अमेरिकी न्योता

अमेरिका में नव-नियुक्त चीनी राजदूत किन गांग ने पिछले महीने अपने एक भाषण में यह जताने की कोशिश की कि उनका मुल्क (72 वर्षों से एक ही पार्टी द्वारा शासित) एक लोकतंत्र है। सुनने में यह भले अटपटा लगे, मगर इस कोशिश की टाइमिंग पर गौर कीजिए। दरअसल, आने वाले दिनों में बाइडन प्रशासन दुनिया के 'सुस्थापित और उभरते लोकतंत्रों' का एक शेखर सम्मेलन करने जा रहा है। पूरी उम्मीद है कि दशकों से बहुदलीय लोकतंत्र के रूप में फल-फूल रहे ताइवान को इस सम्मेलन में न्योता भेजा जाएगा, वहीं चीन को इसमें न बुलाए जाने की पूर्ण संभावना है। वैसे, 9-10 दिसंबर को लोकतंत्र सम्मेलन का आयोजन करके राष्ट्रपति बाइडन ने शायद चीन और ताइवान में अपनी शासन प्रणालियों के गुणगान की स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा जगा दी है। राजदूत किन के मुताबिक, चीनी शासन पद्धति की अनेक खूबियों में एक खूबी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता शी जिनपिंग द्वारा तमाम जटिलताओं को संभालने और चीजों को दुरुस्त करने की क्षमता में निहित है। किन कहते हैं, 'जिनपिंग को अपने देश के लोगों का प्यार, भरोसा और समर्थन हासिल है।' इसके बरक्स ताइवान की निर्वाचित राष्ट्रपति साई इंग-वेन यह मानती हैं कि उनके द्वीपीय देश के स्वतंत्र और खुले लोकतंत्र में कुछ कमियां हैं। फिर भी, गुजरते वक्त के साथ दो करोड़, 35 लाख लोगों ने लोकतंत्र के मूल्यों को आत्मसात किया है और बतौर ताइवानी यह उनकी पहचान गढ़ रहा है। राष्ट्रपति साई ने फॉरेन अफेयर्स पत्रिका में इसी हफ्ते लेखा है, 'वैश्विक लोकतंत्र की मजबूती में ताईवान की एक महत्वपूर्ण भूमिका है।' लोकतंत्र शिखर सम्मेलन को राष्ट्रपति साई द्वारा संबोधित किए जाने की संभावना भी एक वजह हो सकती है कि चीन ने इस द्वीप देश के करीब लड़ाकू विमानों की उड़ान संख्या बढ़ाई है। सोमवार को तो 56 चीनी विमानों ने ताइवान के हवाई सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। यह आक्रामक कदम शायद इसलिए भी उठाया गया हो, ताकि दुनिया के देश ताइवान को एक आजाद मुल्क के रूप में मान्यता न दें या उसकी सुरक्षा में आएं।

इंसाफ से होंगे दाग साफ

उपेन्द्र राय

सियासत में बड़बोलापन कितना भारी पड़ सकता है, इसका सबसे ताजा नमूना हैं केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी। मंत्री जी करीब एक पखवाड़े पहले उत्तर प्रदेश की पलिया विधानसभा के एक कस्बे में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे।

जनसभा के रास्ते में किसानों ने विरोध कर दिया, तो मंत्री जी इतने बिफरे कि सभा के मंच से ही दो मिनट में विरोधियों को चित करने वाली अपनी पुरानी 'पहलवानी' पहचान का हवाला दे डाला। साथ में किसानों को धमका भी गए कि अगर उन्होंने चुनौती स्वीकार कर ली, तो उन्हें पलिया ही नहीं, लखीमपुर भी छोड़ना पड़ जाएगा।

अब देखिए हो क्या रहा है? बेटे को गिरफ्तारी से और अपने मंत्री पद को इस्तीफे से बचाने के लिए अजय मिश्र खुद पलिया ही नहीं, लखीमपुर तक छोड़कर दिल्ली की दौड़ लगा रहे हैं और विरोधी ही नहीं, अपनी ही पार्टी वाले कह रहे हैं कि अब तो सुधर जाओ। वजह बनी है लखीमपुर खीरी में बवाल और हिंसा में नौ लोगों की मौत, जिसके बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में तूफान मचा हुआ है और लखनऊ से दिल्ली तक बीजेपी को इंसाफ करने की दुहाई देनी पड़ रही है।

पूरे विवाद की जड़ बने हैं अजय मिश्र टेनी, जिनका बेटा आशीष मिश्र चार किसानों को गाड़ी से कुचल कर मौत के घाट उतारने के जघन्य कृत्य का मुख्य आरोपित बनाया गया है। यानी जिसके पिता के कंधों पर ही देश में कानून का राज चलाने की जिम्मेदारी है, उसी बेटे पर खुलेआम देश के कानून की धज्जियां उड़ाने को लेकर उंगली उठ रही है। समूचा घटनाक्रम वैसे भी निंदनीय है और मंत्री से जुड़ा होने के कारण सियासी भी बन गया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी से लेकर तृणमूल कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल जैसे दूसरे राज्यों में सक्रिय क्षेत्रीय दल तक पीड़ित परिवारों के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की होड़ लगाते दिखे हैं। विपक्षी दल होने के नाते ऐसा करना इन दलों की सामाजिक-राजनीतिक जिम्मेदारी भी बनती है, लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि राज्य और केंद्र सरकार पर हो रहे चौतरफा हमलों की एक वजह उत्तर प्रदेश में आने वाले दिनों में होने वाले विधानसभा चुनाव भी हैं। हालांकि विवाद बढ़ने के बावजूद मोदी-योगी सरकार और बीजेपी संगठन ने सधे और नपे-तुले अंदाज में कदम उठाए हैं।

योगी सरकार ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए पीड़ितों को मुआवजे का ऐलान कर विरोध की आग को काफी हद तक काबू में कर लिया है। साथ में शुरु आती बंदिशों के बाद विपक्षी दलों को लखीमपुर खीरी जाने की अनुमति देकर यह भी तय कर दिया है कि इस मामले में विपक्ष के और राजनीति करने के अवसर आने वाले समय में सीमित होते चले जाएंगे। फौरी तौर पर प्रभावी दिख रही इस राजनीतिक कसरत के बावजूद यह भी सच है कि इस घटना ने बीजेपी की चिंता को हद से ज्यादा बढ़ा दिया है। पार्टी नेतृत्व भले ही ऊपर से शांत दिखने वाले समुद्र की तस्वीर पेश कर रहा हो, लेकिन सतह के नीचे काफी खलबली मची दिख रही है। चार महीने बाद उत्तर प्रदेश में चुनाव होने हैं। एक तरफ केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश के विकास का रोडमैप और अपनी सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच पहुंच रहे हैं, वहीं इस घटना में पार्टी के ही एक मंत्री के बेटे की कथित संलिप्तता से जनता के बीच जो संदेश गया है, उसे पार्टी की सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जा रहा है।

एबीपी-सी वोटर्स का ताजा सर्वे इस ओर एक इशारा है, जिसमें शामिल 70 फीसद लोगों ने माना है कि लखीमपुर कांड से बीजेपी को नुकसान हुआ है। अंदरखाने की खबर यह है कि बीजेपी संगठन के साथ-साथ संघ में भी इस घटना को लेकर काफी नाराजगी है। कोरोना महामारी के दौरान राज्य की जनता को हुई परेशानी और उससे उपजे रोष को कम करने के लिए संघ अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से लंबे समय से प्रदेश में सक्रिय है। संघ की इस सक्रियता से लोगों का गुस्सा काफी हद तक कम हुआ है, लेकिन पिछले दो हफ्तों के दौरान घटी दो बड़ी घटनाओं ने बीजेपी को चुनाव से पहले बड़ा झटका दिया है। पहले कानपुर के कारोबारी की गोरखपुर में हत्या मामले में यूपी पुलिस की संदिग्ध भूमिका और अब लखीमपुर खीरी में एक मंत्री के बेटे का हाथ सामने आने से उस पूरी मेहनत के परिणाम पर सवालिया निशान लग गया है।

संघ हमेशा से हर तरह के कामकाज में पारदर्शिता का पक्षधर रहता आया है और वक्त-वक्त पर इस बाबत सरकार को आगाह भी करता रहा है। अपने स्तर पर सरकार भी इस मामले में सावधानी बरतती आई है, लेकिन इस मामले को देखें तो कहीं-न-कहीं चूक अवश्य हुई है। अजय मिश्र टेनी के पुराने रिकॉर्ड खंगालने की बात हो या इस मामले में हुई शुरुआती हीला-हवाली, ये वो लापरवाहियां हैं जिन्हें टाला जा सकता था। अब विपक्षी दल खासकर कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों को आधार बनाने के साथ ही इलाहाबाद हाई कोर्ट में लंबित एक मामले का हवाला देकर अजय मिश्र के बहाने बीजेपी को कठघरे में खड़ा कर रही है। कांग्रेस ने अजय मिश्र पर हत्या के एक पुराने मामले को 17 साल तक सूचीबद्ध नहीं करने और अब साढ़े तीन साल से आदेश सुरक्षित होने के बावजूद फैसला नहीं आने पर सवाल उठाए हैं। अदालत की अवमानना का खतरा उठाते हुए कांग्रेस इतना आगे बढ़ी है, तो इससे विपक्ष के अंदर इस मामले को अभी और आगे ले जाने की बैचेनी भी स्पष्ट दिखाई पड़ती है। लखीमपुर खीरी की घटना का असर यह हुआ है कि किसान आंदोलन अब पश्चिमी उत्तर प्रदेश से निकल कर रु हेलखंड और मध्य यूपी तक पहुंच गया है। विपक्ष अब इसे बुंदेलखंड और पूर्वांचल तक ले जाकर इसे समूचे उत्तर प्रदेश का मुद्दा बनाने में जुट गया है।

लोकतंत्र में सरकारें इकबाल से चलती हैं और केवल इंसाफ करना भर पर्याप्त नहीं होता, इंसाफ करते दिखना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण होता है। अब सूबे और केंद्र की सरकारों के सामने यही चुनौती है। माफियाओं और कानून से खिलवाड़ करने वालों के साथ वैसे भी केंद्र की मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सख्ती से पेश आती रही हैं। इस मामले में भी मुख्य आरोपित आशीष मिश्र के खिलाफ कानूनसम्मत कार्रवाई की जा रही है, जबकि उसके मंत्री पिता को दिल्ली तलब कर उनसे भी सफाई मांगी गई है। सरकार और संगठन से जुड़े हर शख्स को विवादित बयान और वीडियो से बचने की सख्त हिदायत दे दी गई है। अच्छा होगा अगर इस मामले को मिसाल बनाकर सियासत में पारदर्शिता की ऐसी परंपरा भी शुरू कर दी जाए, जिसमें कानून से खिलवाड़ के दाग लगे शख्स को शासन तंत्र से जुड़े किसी भी स्तर के लिए अयोग्य कर दिया जाए। वैसे मौजूदा शासन व्यवस्था में इस विचार के प्रति पहले से भी काफी समर्थन है, और यह शायद इसी सोच के दबाव का नतीजा है कि पहले नोटिस को अनदेखा करने के बाद मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा को दूसरे नोटिस पर क्राइम ब्रांच के सामने पेश होना पड़ा है। यह घटनाक्रम इस बात का संकेत है कि इस मामले में भी इंसाफ अवश्य होगा। बस सवाल उस इंसाफ तक पहुंचने के समय का है, क्योंकि हर गुजरता पल संदेह की आंच और सवालों की आग को तेज कर रहा है।

> लोकतंत्र में सरकारें इकबाल से चलती हैं और केवल इंसाफ करना भर पर्याप्त नहीं होता। इंसाफ करते दिखना भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। अब सूबे और केंद्र की सरकारों के सामने यही चुनौती है। माफियाओं और कानून से खिलवाड़ करने वालों के साथ वैसे भी केंद्र की मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सख्ती से पेश आती रही हैं। इस मामले में भी मुख्य आरोपित आशीष मिश्र के खिलाफ कानूनसम्मत कार्रवाई की जा रही है जबकि उसके मंत्री पिता को दिल्ली तलब कर उनसे भी सफाई मांगी गई है। सरकार और संगठन से जुड़े हर शख्स को विवादित बयान और वीडियो से बचने की सख्त हिदायत दे दी गई है

वैश्विकी

कश्मीर हिंसा और तालिबान

डॉ. दिलीप चौबे

काबुल पर तालिबान आतंकवादियों के कब्जे को लेकर भारत में जिन भयावह चुनौतियों की आशंका व्यक्त की जा रही थी, वह सही साबित हो रहे हैं।

पिछले एक हफ्ते के दौरान कश्मीर में गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों की जिस तरह योजनाबद्ध तरीके से सिलसिलेवार हत्या की गई, वे इस बात के प्रारंभिक संकेत हैं कि तीस साल पहले का इतिहास दोहराया जा सकता है। तीन दशक पहले अफगानिस्तान से सोवियत सेनाओं की वापसी तथा वहां तालिबान हुकूमत कायम होने के बाद कश्मीर में जेहादी उन्माद और आतंकवाद एक बड़े खतरे के रूप में सामने आया था। हत्याओं के दौर के साथ ही कश्मीरी पंडितों का कश्मीर घाटी से पलायन हुआ था।

तीस साल बाद भी कश्मीरी पंडित अपनी जन्मभूमि लौट सकेंगे यह संभावना धूमिल हो रही है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने तथा राज्य के पुनर्गठन के बाद जो सकारात्मक परिवर्तन हुए थे, उन पर सवालिया निशान लग गया है। हाल के सिलसिलेवार हत्याओं से कश्मीर घाटी में शेष बचे अथवा वहां वापस लौट रहे हिंदू और सिखों का पलायन शुरू हो गया है। वे सुनिश्चित भविष्य के साथ जम्मू में शरण ले रहे हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कश्मीर के घटनाक्रम पर गहरी चिंता व्यक्त की है। वह मानते हैं कि यह घटनाक्रम अफगानिस्तान से जुड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि सिलसिलेवार हत्याओं के लिए तालिबान सीधे रूप से जिम्मेवार है या नहीं, इसके बारे में तथ्यों के आधार पर ही फैसला हो सकता है। जाहिर है कि विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर के पास सीमित सूचनाएं ही होंगी। अफगानिस्तान में भारत की कोई राजनयिक मौजूदगी नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और सुरक्षा एजेंसियों के पास ऐसी निश्चित जानकारी होगी कि तालिबान की अगली चाल क्या है? वास्तव में अफगानिस्तान में आतंकवादियों का महागठबंधन कायम है। इस महागठबंधन का सबसे शक्तिशाली घटक तालिबान है। आतंकी महागठबंधन में कई छोटे-छोटे अन्य घटक भी हैं। जेहाद के बारे में उनकी अलग-अलग सोच है और अलग-अलग एजेंडा है। लेकिन जम्मू-कश्मीर का जहां तक सवाल है उनकी राय एक जैसी है। ये सब

घटक अपने-अपने तरीकों से भारत में इस्लामी राज्य या खलीफा शाही कायम करना चाहते हैं। घरेलू मोर्चे पर तालिबान का विरोध करने वाला यदि कोई आतंकवादी घटक जम्मू-कश्मीर की ओर कूच करता है तो तालिबान उसे रोकने की बजाय समर्थन ही देगा।

पाकिस्तानी आकाओं के निर्देश पर चलने वाली तालिबान हुकूमत इस बात की सावधानी बरतेगी कि सीधे रूप से उसे दोषी नहीं ठहराया जा सके। तालिबान अपने पड़ोसी देश ताजिकिस्तान के विरुद्ध भी इसी तरह के हथकंडे अपना रहा है। तालिबान ने एक ताजिक गुट के साथ मिलकर साजिश रची है। ताजिक बहुल ताजिकिस्तान में आतंकवादी तांडव शुरू करने का काम उसने ताजिक गुट को ही सौंपा है। इसी खतरे के मद्देनजर रूस ने कहा है कि वह किसी आतंकवादी खतरे की स्थिति में ताजिकिस्तान की रक्षा करेगा।

पाकिस्तान में पनाह लिये लश्कर-ए-तोयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन, खुफिया एजेंसी आईएसआई से निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। शीतकाल के दौरान घुसपैठ करना दुष्कर है तथा इस समय का उपयोग आतंकवादी एकजुट होने, हथियार इकट्ठे करने और प्रशिक्षण के लिए करेंगे। अगले वर्ष फरवरी में यूपी और पंजाब में विस चुनाव होने हैं। यही वह समय होगा जब आतंकवादी अपनी साजिश पर अमल करने के लिए सक्रिय होंगे। जम्मू-कश्मीर के साथ पंजाब भी उनके निशाने पर होगा।

पंजाब और हरियाणा के हाल के घटनाक्रम से स्पष्ट होता है कि खुफिया एजेंसी आईएसआई इन सीमावर्ती क्षेत्रों में अस्थिरता पैदा करने के लिए दिन-रात काम कर रही है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में राजनीतिक गतिविधियों और विरोध की आड़ में आईएसआई अपना खूनी खेल खेलना चाहती है। अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा में सक्रिय भारत विरोधी ताकतें अस्थिरता के इस खेल में जाने-अनजाने आईएसआई का मोहरा साबित होंगी। घटनाक्रम क्या रुख लेगा इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। किसी बड़े आतंकवादी हमले के होने की स्थिति में भारत की जवाबी कार्रवाई कहां जाकर रुकेगी, इसकी भविष्यवाणी नहीं की जा सकती।

श्रद्धांजलि

जन्मस्थली में भी बेगाने

कृष्ण प्रताप सिंह

अलबेले समाजवादी चिंतक और देश की राजनीति में गैर-कांग्रेसवाद के जनक डॉ. राममनोहर लोहिया के गृह प्रदेश उत्तर प्रदेश में उनकी राजनीतिक विरासत पर बड़ा दावा अभी भी समाजवादी पार्टी का ही है, लेकिन प्रदेश के अंबेडकरनगर, तत्कालीन फैजाबाद जिले के मुख्यालय अकबरपुर स्थित लोहिया की जन्मभूमि में, सच पूछिए तो, उनके बस एक ही निर्दभ वारिस थे-बचपन के साथी बंसी नाई।

दरअसल, डॉ. लोहिया की मां उन्हें जन्म देने के थोड़े ही समय बाद चल बसी थीं। उनके पीछे जिन विशालहृदया ने राममनोहर को, हां, तब वे डॉ. लोहिया नहीं बने थे, मातृवत स्नेह से अपना दूध पिलाकर पाला, वह इन्हीं बंसी की दादी थीं। तब बंसी और राममनोहर साथ-साथ रहते, खेलते-कूदते व खाते-पीते थे। दोनों के साझा बचपन की मीठी यादें शतायु होकर इस दुनिया से गए बंसी के दिलोदिमाग में उनके अंतिम दिनों तक खासे गहरे तक रची-बसी थीं। बीमारी व वृद्धावस्था के बावजूद बंसी बिना नागा हर सुबह अपने शहर में लगी डॉ. लोहिया की प्रतिमा तक जाते, स्वच्छ पानी से उसे धोते, उस पर पुष्पांजलि अर्पित करते और सामर्थ्य भर उसकी साफ-सफाई करते थे।

गुजर-बसर का कोई ठीक-ठाक जरिया न होने के बावजूद उन्होंने कभी किसी से अपनी इस श्रद्धा का कोई प्रतिफल या प्रतिदान नहीं चाहा। तब भी नहीं, जब प्रदेश में समाजवादी पार्टी की डॉ. लोहिया को अपना 'राजनीतिक आराध्य' बताने वाली सरकारें बनीं और शुभचिंतकों ने बंसी को सुझाया कि वे लपक कर उनका 'फायदा' उठा लें। बंसी ने उनसे साफ कह दिया कि वे अपनी दादी के दूध की कीमत मांगने जाने से पहले चाहेंगे कि धरती फट जाए और वे उसमें धंस जाएं, जबकि इन सरकारों ने बंसी के जीते जी अपनी ओर से अपने राजनीतिक आराध्य के बालसखा की कोई खोज-खबर लेना जरूरी नहीं समझा।

साफ कहें तो प्रदेश में कई बार 'समाजवादी' सरकारें बनने के बावजूद डॉ. लोहिया अपनी जन्मभूमि में आम तौर पर बेगाने से ही नजर आते रहे और बंसी के निधन के बाद तो लावारिस हो गए हैं। इस कदर कि करोड़ों की लागत से उनसे जुड़े शोधों के लिए बना लोहिया संस्थान भी उनकी स्मृतियों के संरक्षण में कोई भूमिका नहीं निभा पा रहा। एक समय जॉर्ज फर्नांडिस चाहते थे कि अकबरपुर को 'लोहिया धाम' नाम से जिला बनाया जाए। उन्होंने इसके लिए प्रयत्न भी किए थे। पर बात बनी नहीं और सपा-बसपा के झगड़े में उनका गठबंधन टूटा तो मायावती ने 29 सितम्बर, 1995 को बतौर मुख्यमंत्री उसे डॉ. अंबेडकर के नाम से जिला बना दिया।

बहरहाल, अब हालत यह है कि भले ही अंग्रेजी हटाना और हिंदी लाना डॉ. लोहिया के एजेंडे में सबसे ऊपर रहा हो, फैजाबाद के डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में न भाषाओं का विभाग है, न ही डॉ. लोहिया के अकादमिक कामों को आगे बढ़ाने का कोई उपक्रम होता है। डॉ. लोहिया के नाम की कोई पीठ तक नहीं है। अलबत्ता, फैजाबाद में लोग अब भी याद करते हैं कि डॉ. लोहिया ने चुनावी मुकाबलों में हार-जीत को उन्होंने कभी भी ज्यादा महत्व नहीं दिया।

उनका मानना था कि चुनाव, प्रत्याशियों की हार-जीत से कहीं आगे, पार्टियों द्वारा अपनी नीतियों व सिद्धांतों को जनता के बीच ले जाने के सुनहरे अवसर होते हैं। इतिहास गवाह है कि 1962 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को चुनौती देने के लिए उनके निर्वाचन क्षेत्र फूलपुर से वे खुद प्रत्याशी बने तो इस 'सुनहरे अवसर' का भरपूर इस्तेमाल किया था। अकबरपुर में उनके अभिन्न मुस्लिम सहयोगी थे चौधरी सिब्ते मोहम्मद नकवी। मई, 1963 में फरूखाबाद के कांग्रेस सांसद मूलचंद के निधन के बाद उस सीट के लिए उपचुनाव घोषित हुआ तो आम चुनाव में नेहरू से हारकर लोक सभा पहुंचने से रह गए डॉ. लोहिया अपने उन समर्थकों के दबाव में एक बार फिर चुनाव मैदान में उतरे, जिनके अनुसार देश की जटिल होती जा रही स्थिति के मद्देनजर उनका संसद में होना जरूरी था।

उपचुनाव के दौरान वे सिब्ते को प्रचार कार्य में मदद के लिए अकबरपुर से फरूखाबाद ले जा रहे थे तो रास्ते में पार्टी के किसी साथी ने कह दिया कि सिब्ते भाई के चलते मुसलमानों के वोट हमें आसानी से मिल जाएंगे। इतना सुनना था कि डॉ. लोहिया ने मोटर रु कवाकर सिब्ते को उतारा और अकबरपुर लौट जाने को कह दिया। साथियों से बोले, 'जो भी वोट मिलने हैं, हमारी पार्टी की नीतियों व सिद्धांतों के आधार पर मिलें तो ठीक। किसी कार्यकर्ता के धर्म, संप्रदाय या जाति के नाते वोट मिले तो क्या मिले! इस तरह वोट बढ़ाकर जीतने से बेहतर होगा कि मैं फूलपुर की तरह यह मुकाबला भी हार जाऊं।' सिब्ते और साथियों ने बहुतेरा कहा कि इस बाबत वे फिर सोच लें, लेकिन वे अपने फैसले पर अडिग रहे और सिब्ते को अकबरपुर लौट जाना पड़ा, लेकिन उनकी ऐसी नैतिकताएं अब उनके विरोधियों तो क्या अनुयायियों को भी रास नहीं आतीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड:पारस डिफेंस का शेयर हर दिन अपर सर्किट के साथ बंद, आईपीओ के बाद किसी कंपनी में ऐसा पहली बार हुआ

मुंबई। पहले दिन सब्सक्रिप्शन, फिर अंतिम दिन सब्सक्रिप्शन और फिर लिस्टिंग में रिकॉर्ड बनाने वाली पारस डिफेंस का अभी भी रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड कायम है। एक अक्टूबर से इस कंपनी का शेयर रोज अपर सर्किट के साथ बंद हो रहा है।

अपर सर्किट मतलब एक दिन में उससे ज्यादा भाव नहीं बढ़ता

अपर सर्किट मतलब एक दिन में उससे ज्यादा भाव शेयर का नहीं बढ़ सकता है। पारस डिफेंस का शेयर एक अक्टूबर को 475 रुपए पर लिस्ट हुआ था। उस दिन इसमें 5फीसदी का अपर सर्किट लगा और यह 498 रुपए पर बंद हुआ। उसके बाद से हर दिन इसमें 5त्न का अपर सर्किट लग रहा है। यह शेयर 5फीसदी बढ़त के साथ 636 रुपए पर बंद हुआ। इसका मार्केट कैप 2,481 करोड़ रुपए रहा।

दो से तीन दिन तक का अपर सर्किट

अभी तक किसी भी कंपनी का IPO आने के बाद दो से तीन दिन तक ही अपर सर्किट में शेयर रहा है। बर्गर किंग का शेयर लिस्टिंग के बाद 3 दिन तक अपर सर्किट में था। यह तीसरे दिन 219 रुपए पर जाने के बाद गिरावट की ओर चला गया। इसका इश्यू 60 रुपए पर आया था। जोमैटो के शेयर में भी एक ही दिन अपर सर्किट लगा था। पारस डिफेंस पहली कंपनी है जिसका शेयर 5 दिनों तक अपर सर्किट में रहा।

टीएसएमसी का प्रभुत्व सभी देशों के लिए सिरदर्द बनाचिप की कमी से 169 उद्योगों में उत्पादन पर असर; इस साल 39 लाख कारें कम बनेंगी

नई दिल्ली। इस समय दुनियाभर में सेमी कंडक्टर चिप्स की कमी महसूस की जा रही है। गोल्डमैन सॉक्स के अनुसार 169 उद्योग चिप की कमी से जूझ रहे हैं। स्टील, कांक्रीट, एयरकंडीशनिंग, ब्रुअरीज, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटो से लेकर कई इंडस्ट्री प्रभावित हैं। अमेरिका, जापान, यूरोप और एशिया में वाहनों का उत्पादन धीमा पड़ गया है। इस साल पिछले साल के मुकाबले 39 लाख कारों का प्रोडक्शन कम हो सकता है। इस मौके पर विश्व का ध्यान चिप बनाने वाली सबसे बड़ी ताइवानी कंपनी-ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) की ओर है। कंपनी के हाथ में चिप के ग्लोबल मार्केट का आधे से ज्यादा हिस्सा है। अनुमान है, कंपनी 90त्न आधुनिक माइक्रो प्रोसेसर सप्लाई करती है।कंसल्टिंग फर्म बैन एंड कंपनी के सेमीकंडक्टर विशेषज्ञ पीटर हेनबरी कहते हैं, टीएसएमसी बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। इस आधुनिक टेक्नोलॉजी में कंपनी का लगभग एकाधिकार है। पिछले 50 साल में सेमीकंडक्टर चिप्स का महत्व बेहद बढ़ा है। 1969 में अंतरिक्ष यान अपोलो के लुनार मॉड्यूल ने 35 किलो वजनी हजारों ट्रांजिस्टर चंद्रमा पर भेजे थे।आज एपल की मेकबुक में 16 अरब ट्रांजिस्टर का वजन केवल डेढ़ किलो है।

जल्द आएगी एक और एयरलाइन कंपनी:एयरलाइन कंपनी आकाश की एयरबस के साथ एयरक्राफ्ट खरीदने को लेकर बातचीत जारी

नई दिल्ली। मार्केट के बिग बुल कहे जाने वाले राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली एयरलाइन कंपनी आकाश के साथ एयरबस की बातचीत चल रही है। यह बातचीत एयरक्राफ्ट खरीदने को लेकर चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूरोप की एक प्लेन कंपनी के एक सीनियर अधिकारी ने इस मामले के बारे में बताया है। पिछले दो महीने से ऐसी कई रिपोर्ट सामने आ रही हैं जिसके मुताबिक आकाश अपने बेड़े के लिए B737 Max× प्लेन खरीदने के लिए अमेरिकी प्लेन कंपनी एयरबस से बातचीत कर रहा है। एयरबस का 320 सीरीज सीरीज बोइंग के B737 सीरीज के प्लेन को टक्कर देंगे। एयरबस की योजना बोइंग के ऑफर पर काउंटर ऑफर देने की बात पूछने पर एयरबस के चीफ कमर्शियल ऑफिसर क्रिस्टियन शेरर ने कहा कि हम काउंटर ऑफर नहीं करते हैं। लेकिन हां, हम आकाश के साथ बातचीत कर रहे हैं।

गोयल ने निर्यातकों से कहा- अगले साल 450-500 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखें

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ईपीसी से अगले साल 450-500 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य तय करने के लिए कहा है। गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से विभिन्न निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) के प्रमुखों के साथ हुई मध्यावधि समीक्षा बैठक में नई विदेश व्यापार नीति को अंतिम रूप देने से पहले सभी हितधारकों के साथ विचार-विमर्श करने के निर्देश दिए हैं।

वित्त वर्ष 2021-22 की पहली छमाही में भारत से होने वाले निर्यात के 197 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचने पर संतोष प्रकट करते हुए, गोयल ने कहा कि 48 प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के साथ ही हम सही राह पर हैं। गोयल ने कहा, ''हमारे निर्यातकों ने हम सभी भारतीयों को गौरवान्वित किया है। इस प्रकार हम अगले साल के लिए निर्यात लक्ष्य को बढ़ाकर 450-500 अरब डॉलर कर सकते हैं।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंजीनियरिंग सामानों में काफी ज्यादा क्षमता है वस्त्र निर्यात का लक्ष्य 100 अरब डॉलर होना चाहिए।

गोयल ने सरकार द्वारा हाल में घोषित विभिन्न पीएलआई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा, ''आपको देखना चाहिए कि हम ये योजनाएं लेकर आए हैं।' उन्होंने कहा कि सरकार यूके, यूएई, ओमान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ईयू, रूस और सदर्न अफ्रीकन कस्टम्स यूनियन (एसएसीयू) सहित विभिन्न देशों और ब्लॉकों के साथ एफटीए पर बातचीत कर रही है। एसएसीयू में

बोत्सवाना, लेसोथो, नामीबिया, दक्षिण अफ्रीका और स्वाजीलैंड शामिल हैं। गोयल ने कहा, ''समान, निष्पक्ष और संतुलित व भारतीय निर्यातकों के हित में, आप को अपनी चिंताओं को सामने रखना होगा।' उन्होंने कहा कि ज्यादातर मुद्दे टैरिफ के बजाय बाजार पहुंच से संबंधित हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 अक्टूबर अष्टमी पर अपने सबसे ज्यादा महत्वाकांक्षी इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के विजन- 'गति शक्ति' कार्यक्रम का अनावरण करेंगे। निर्यात परिषदों के प्रमुखों को इस कार्यक्रम से वीसी के द्वारा जुड़ने और निर्यात क्षेत्रों से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर के मुद्दों के साथ भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा कि हाल में राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति का भी अनावरण किया गया है और निर्यातकों को अपनी चिंताओं के साथ आगे आना चाहिए। गोयल ने पॉलिमर की ऊंची वैश्विक कीमतों के मुद्दों और पर्यावरण कानूनों पर एक समान आवेदन, प्लास्टिक सेक्टर के लिए इनपुट पर भरोसा दिलाया कि वाणिज्य विभाग वर्जिन प्लास्टिक स्क्रैप के आयात को अनुमति देने और उससे संबंधित मुद्दों को पर्यावरण मंत्रालय के सामने रखेगा।

उन्होंने निर्यात परिषदों से उन निर्यातकों की पहचान करने और नाम बताने के लिए कहा, जिनके उत्पाद अंतरराष्ट्रीय मानदंडों पर खरे उतरने में नाकाम रहे हैं और खराब गुणवत्ता के कारण अक्सर खारिज हो जाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बार-बार अनुस्मारक भेजने के बावजूद ईपीसी ने वैश्विक बाजारों में 'मेक इन इंडिया' उत्पादों की छवि खराब करने वाले कुछ निर्यातकों की पहचान नहीं की है। उन्होंने कहा, ''गुणवत्ता से ही हमारे निर्यात का भविष्य निर्धारित होगा।' इस अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने निर्यातकों को विभिन्न मंत्रालयों से जुड़ी उनकी चिंताओं के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया, जो निर्यात के विकास को नुकसान पहुंचा रही हैं। वाणिज्य सचिव बीवीआर सुब्रह्मण्यम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी विचार विमर्श में भाग लिया।

त्योहारी सप्ताह के पहले 4 दिनों में ई-कॉमर्स कंपनियों ने 2.7 अरब डॉलर की बिक्री की

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनियों ने त्योहारी सप्ताह के पहले चार दिनों में लगभग 2.7 अरब डॉलर की बिक्री की। यह आंकड़ा 4.8 अरब डॉलर का सकल माल मूल्य अंक हासिल करने की राह पर हैं। सलाहकार कंपनी रेडसीर ने शनिवार को यह जानकारी दी। रेडसीर कंसल्टिंग ने पिछले महीने अनुमान लगाया था कि त्योहारी बिक्री के पहले सप्ताह के दौरान ऑनलाइन मंचों का सकल माल मूल्य सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़कर 4.8 अरब डॉलर हो जाएगा।

रेडसीर ने अपनी 'मिड-फेस्टिव चेक इन' रिपोर्ट में कहा, 'अक्टूबर के पहले सप्ताह (दो से पांच अक्टूबर) के त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स मंचों ने लगभग 2.7 अरब डॉलर की बिक्री की। यह आंकड़ा 4.8 अरब डॉलर का सकल माल मूल्य अंक हासिल

करने की राह पर हैं।' सलाहकार कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि कैलेंडर वर्ष 2020 में त्योहारी सप्ताह के पहले चार दिनों में हुई बिक्री त्योहारी सप्ताह की कुल बिक्री का 63 प्रतिशत हिस्सा रहा। यह हिस्सा इस वर्ष 57 प्रतिशत रहा। बिक्री के पहले चार दिनों के दौरान स्मार्टफोन ने सकल माल मूल्य में लगभग 50 प्रतिशत का योगदान दिया।

एफपीआई ने अक्टूबर में अब तक भारतीय बाजारों में किया 1,997 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) भारतीय बाजारों में शुद्ध लिवाल बने हुए हैं। एफपीआई ने एक से आठ अक्टूबर के दौरान भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 1,997 करोड़ रुपए का निवेश किया है। ऐसे में दीर्घावधि की दृष्टि से भारत एफपीआई के लिए आकर्षक निवेश गंतव्य बना हुआ है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने अक्टूबर में शेयरों में 1,530 करोड़ रुपए तथा ऋण या बांड बाजार में 467 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इस तरह उनका शुद्ध निवेश 1,997 करोड़ रुपये रहा है। इससे पहले एफपीआई ने सितंबर में भारतीय बाजारों में 26,517 करोड़ रुपए और अगस्त में 16,459 करोड़ रुपए का निवेश किया था। जियोजीत

फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, '''हाल के सप्ताहों में एफपीआई ने बैंकिंग क्षेत्र से अपना निवेश निकाला है और आईटी क्षेत्र में निवेश बढ़ाया है।' मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि दीर्घावधि के परिप्रेक्ष्य से भारत एक महत्वपूर्ण और प्रतिस्पर्धी निवेश गंतव्य बना हुआ है। ''भारतीय शेयरों में एफपीआई का निवेश प्रवाह नियमित अंतराल पर जारी है।'

सेमीकंडक्टर की कमी के कारण मारुति का सितंबर में प्रोडक्शन 51फीसदी घटा

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी का सितंबर 2021 में कुल यात्री वाहन का उत्पादन 77,782 गाड़ियां रहा, जो सितंबर 2020 में बनाई गई गाड़ियों 161,668 से काफी कम है। सेमीकंडक्टर की वैश्विक किल्लत के चलते मारुति सुजुकी ने सितंबर के दौरान उत्पादन में 51 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। देश में अग्रणी ऑटो निर्माता ने पिछले महीने 81,278 गाड़ियों का उत्पादन किया जबकि एक साल पहले की अवधि में 166,086 गाड़ियों का उत्पादन किया था।

ऑटो कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि उसने सितंबर 2021 के दौरान कुल 47,884 पैसेंजर कारों का उत्पादन किया जबकि पिछले साल इसी महीने में 123,837 कारों का उत्पादन हुआ था। मिंट की खबर के मुताबिक यूटिलिटी व्हीकल का उत्पादन

सितंबर 2020 में हुए 26,648 कारों से घटकर पिछले महीने 21,873 कार हो गया। इस अवधि में वैन ईको की उत्पादन संख्या इस दौरान 11,183 यूनिट से घटकर 8,025 यूनिट रह गई।

सितंबर 2021 में कुल 77,782 पैसेंजर गाड़ियों का उत्पादन किया गया जो कि सितंबर 2020 में बनाई गई 161,668 गाड़ियों से काफी कम है। हल्के व्यावसायिक वाहन सुपर कैरी का उत्पादन भी इस महीने के दौरान 3,496 यूनिट रहा, जबकि एक साल पहले की अवधि में 4,418 गाड़ियों का उत्पादन हुआ था।मारुति सुजुकी ने कहा है कि उसे उम्मीद है कि अक्टूबर में भी सेमीकंडक्टर की कमी का असर जारी रहेगा। कंपनी ने कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी के कारण उन्हें इस महीने अपने हरियाणा और गुजरात स्थित दो प्लांटों में सामान्य स्तर के लगभग 60 प्रतिशत उत्पादन होने की उम्मीद है।

म्यूचुअल फंड की प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां सितंबर में लगभग 37 लाख करोड़ रुपए हुई

मुंबई। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक व्यवस्थित निवेश योजना (सिप) के प्रति निवेशकों के बढ़े रुझान के चलते म्यूचुअल फंड की प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां सितंबर में बढ़कर करीब 37 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। यह सालाना आधार पर 33 प्रतिशत अधिक है।

एम्फी के मुताबिक पिछले महीने प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों (एयूएम) ने 36.74 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा छू लिया, जो सितंबर 2020 में 27.6 लाख करोड़ रुपए था। एम्फी के सीईओ एन एस वेंकटेश ने बताया कि एसआईपी में रिकॉर्ड प्रवाह के कारण एयूएम में बढ़ोतरी हुई। इस दौरान सिप ने पहली बार 10,000 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार किया। उन्होंने कहा कि यह म्यूचुअल फंडों में खुदरा निवेशकों के भरोसे को भी दर्शाता है।

त्योहारों से पहले सितंबर में सालाना आधार पर रोजगार बाजार में 57फीसदी की वृद्धि: रिपोर्ट

मुंबई। भारतीय रोजगार बाजार में सितंबर में सालाना आधार पर 57 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नौकरी जॉबस्पीक की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय रोजगार बाजार का रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला सितंबर में लगातार तीसरे महीने जारी रहा। कुल 2,753 रोजगार नियुक्ति के साथ यह सूचकांक कोविड-पूर्व के स्तर सितंबर, 2019 की तुलना में 21 प्रतिशत बढ़ा है। नौकरी जॉबस्पीक एक मासिक इंडेक्स है जो माह-दर-माह नौकरी डॉट कॉम वेबसाइट पर रोजगार सूची के आधार पर नियुक्ति गतिविधियों की गणना और उसे रिकॉर्ड करता है।नौकरी जॉबस्पीक का उद्देश्य विभिन्न उद्योगों, शहरों और अनुभव के स्तर पर भर्ती

गतिविधि को मापना है। साल-दर-साल आधार पर अधिकांश क्षेत्रों ने आईटी (138 प्रतिशत) और आतिथ्य (82 प्रतिशत से अधिक) के नेतृत्व में महत्वपूर्ण वार्षिक वृद्धि प्रदर्शित की। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय संगठनों के बीच डिजिटल रूपांतरण की हालिया लहर से तकनीकी पेशेवरों की मांग बढ़ी है। आईटी-सॉफ्टवेयर / सॉफ्टवेयर सेवा क्षेत्र में साल-दर-साल आधार पर सितंबर, 2021 में 138 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आतिथ्य यानी होटल (82 प्रतिशत) और खुदरा (70 प्रतिशत से अधिक) जैसे क्षेत्र महामारी से सबसे अधिक प्रभावित थे। सितंबर में देशभर में कई होटल और स्टोरों के फिर से खुलने के साथ वार्षिक आधार पर महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई। सितंबर, 2020 की तुलना में शिक्षा (53 प्रतिशत), बैंकिंग/वित्तीय सेवाओं (43 प्रतिशत) और दूरसंचार/आईएसपी (37 प्रतिशत से अधिक) क्षेत्रों में भी नियुक्ति गतिविधि बढ़ी हैं। सितंबर में महानगरों ने 88 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की, जिसने दूसरी श्रेणी के शहरों को पीछे छोड़ दिया। इन शहरों में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई। नौकरी जॉबस्पीक की रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त के 2,673 की तुलना में सितंबर नियुक्तियों में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नौकरी डॉट कॉम के मुख्य कारोबार अधिकारी, पवन गोयल ने कहा, ''भारत में नियुक्ति में कई गतिविधियां ऐसी हो रही हैं जो पहले कभी नहीं देखी गईं। आईटी पेशेवरों की मांग के कारण त्योहारी सत्र की शुरुआत में उद्योगों में सुधार होते देखना वास्तव में खुशी की बात है।

वर्ष 2020-21 में पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण 8.3फीसदी, सभी राज्यों ने लक्ष्य हासिल किए

नई दिल्ली। पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण के लक्ष्य को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में हासिल किया गया है। नवंबर को समाप्त होने वाले विपणन वर्ष 2020-21 में यह मिश्रण स्तर लगभग 8.3 प्रतिशत तक पहुंचने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह कहा। वर्ष 2019-20 में पेट्रोल के साथ एथनॉल मिश्रण का स्तर पांच प्रतिशत था।

भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) के एक वेबिनार को संबोधित करते हुए, एचपीसीएल के कार्यपालक निदेशक सी श्रीधर गौड़ ने कहा कि मौजूदा एथनॉल आपूर्ति वर्ष (दिसंबर से नवंबर) में एथनॉल मिश्रण स्तर पिछले दो वर्षों में पांच प्रतिशत के औसत से

लगभग 8.2-8.3 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम पूरे देश में पहुंच गया है। गौड़ ने कहा, ''सिक्किम अंतिम राज्य था। चार दिन पहले, हम सिक्किम भी पहुंचे। सभी राज्यों में एथनॉल मिलाने का काम हो रहा है।' गौड़ ने कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एथनॉल मिश्रण लक्ष्य को हासिल किया गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि वर्ष 2021-22 एथनॉल आपूर्ति या विपणन वर्ष में पेट्रोल में 10 प्रतिशत मिलाने का स्तर हासिल कर लिया जाएगा।

तेल के दामों ने फिर छुआ आसमान, दिल्ली में पेट्रोल 104 रुपये के पार

नई दिल्ली। देश में रोजाना बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दाम आम आदमी की आमदनी पर असर डाल रहे हैं। हर कोई इन बढ़ती कीमतों से परेशान है। देश के कई शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये से ऊपर पहुंच चुकी है। तेल विपणन कंपनियों ने आज (रविवार) यानी 10 अक्तूबर को लगातार लगातार छठे दिन पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाए हैं। वहीं आज डीजल के दाम में 33 से 35 पैसे तो वहीं पेट्रोल के दाम 26 से 30 पैसे बढ़े हैं। पहली बार मुंबई में डीजल के दाम 100 के पार पहुंच गए हैं।

दिल्ली में पेट्रोल का दाम 104.14 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.82 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 110.12 रुपये व डीजल की कीमत 100.66 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 104.80 रुपये जबकि डीजल का दाम 95.93 रुपये लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 101.53 रुपये लीटर है तो डीजल 97.26 रुपये लीटर है।

जानें प्रमुख महानगरों में कितनी है कीमत

रविवार को दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं।

शहर	डीजल	पेट्रोल
दिल्ली	92.82	104.14
मुंबई	100.66	110.12
कोलकाता	95.93	104.80
चेन्नई	97.26	101.53

(पेट्रोल-डीजल की कीमत रुपये प्रति लीटर में है।)

इन राज्यों में 100 रुपये के पार पेट्रोल का भाव

बता दें कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में पेट्रोल का भाव 100 रुपये पार हो चुका है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत सबसे अधिक है।

जानिए आपके शहर में कितना है दाम:पेट्रोल-डीजल की कीमत आप एसएमएस के जरिए भी जान सकते हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, आपको ऋस्क और अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। हर शहर का कोड अलग-अलग है, जो आपको आईओसीएल की वेबसाइट से मिल जाएगा।

यहां चेक करें- https://iocl.com/Products/PetrolDieselPrices.asp&

बता दें कि प्रतिदिन सुबह छह बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव होता है। सुबह छह बजे से ही नई दरें लागू हो जाती हैं। पेट्रोल व डीजल के दाम में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन और अन्य चीजें जोड़ने के बाद इसका दाम लगभग दोगुना हो जाता है। इन्हीं मानकों के आधार पर पर पेट्रोल रेट और डीजल रेट रोज तय करने का काम तेल कंपनियां करती हैं।

स्मृति मंधाना की अर्धशतकीय पारी गई बेकार, ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 14 रन से हराया

गोल्ड कोस्ट। (एजेंसी)।

भारतीय महिला टीम को रविवार को यहां तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 14 रन की शिकस्त झेलनी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया के पांच विकेट पर 149 रन के जवाब में भारतीय टीम छह विकेट पर 135 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला को 2-0 से अपने नाम किया। भारत की ओर से स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 52 रन बनाये।

सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी (61) की अर्धशतकीय पारी के बाद तहलिया मैकग्रा की नाबाद 44 रन की आक्रामक पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में रविवार को यहां भारत के खिलाफ पांच विकेट पर 149 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। मूनी ने 43 गेंद की पारी में 10 चौके लगाये जबकि पिछले मैच में टीम को जीत दिलाने वाली मैकग्रा ने एक बार फिर बल्ले से उपयोगी योगदान देते हुए 31 गेंद की नाबाद पारी में एक छक्का ओर छह चौके जड़े। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 44 रन की अहम साझेदारी भी निभाई। ऑस्ट्रिलयाई टीम ने इससे पहले शनिवार को ही दूसरा टी20 मैच जीतकर कई प्रारूपों की श्रृंखला को अपने नाम कर लिया था।

भारतीय टीम के इस दौरे पर श्रृंखला विजेता का निर्धारण एकदिवसीय (तीन मैच), टेस्ट (एक मैच) और टी20 अंतरराष्ट्रीय (तीन मैच) के समग्र नतीजे पर किया गया है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला किया जिसे तेज गेंदबाज रेणुका सिंह दूसरे ओवर में एलिसा हीली को विकेटकीपर ऋचा घोष के हाथों कैच कराकर सही साबित किया। कप्तान मेग लेनिंग लय हासिल कर रही थी लेकिन सातवें ओवर में राजेश्वरी गायकवाड़ की गेंद पर हिट विकेट हो गयी। उन्होंने 14 रन बनाये। इसके बाद पूजा वस्त्राकर ने ऐश्ली गार्डनर (एक रन) को ऋचा के हाथों कैच कराया तो वहीं एलिसा पेरी दीप्ति शर्मा की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में वस्त्राकर को कैच थमा बैठी।

उन्होंने आठ रन बनाये। टीम 12वें ओवर में 73 रन पर चौथा विकेट गंवा कर संघर्ष कर रही थी लेकिन पिछले मैच की तरह एक बार मूनी और मैकग्रा ने संकटमोचक की भूमिका निभाई। दोनों ने 44 रन की अहम साझेदारी की जिसमें मूनी ने तेजी से रन जुटाये।

राजश्वरी ने मैच के 18वें ओवर मूनी को कप्तान हरमनप्रीत कौर के हाथों कैच कराया लेकिन इसी ओवर में मैकग्रा ने छक्का और फिर चौका जड़कर 16 रन बटोर लिये।

मैकग्रा ने 19वें ओवर में शिखा पांडे के खिलाफ चौका जड़ा जबकि जॉर्जिया वेयरहम ने 20वें ओवर में दीप्ति की गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। इन दोनों ओवरों से 10-10 रन बने। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी तीन ओवरों में 36 रन बटोरे। भारत के लिए राजेश्वरी ने चार ओवर में 37 रन देकर दो जबकि रेणुका, वस्त्राकर और दीप्ति ने एक-एक विकेट लिया।

क्या टी20 विश्व कप में अफगानी टीम को हिस्सा लेने में है कोई समस्या ? आईसीसी कार्यवाहक सीईओ ने दिया यह बयान

दुबई। (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कार्यवाहक सीईओ ज्योफ अलारडाइस ने रविवार को स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान की टी20 विश्व कप में भागीदारी को कोई खतरा नहीं है लेकिन उन्होंने कहा कि इस समस्याग्रस्त देश में शासन में बदलाव के बाद चीजें कैसे सामने आती हैं इस पर करीबी नजर रखी जाएगी। ऐसी रिपोर्ट आयी थी कि अगर अफगानिस्तान की टीम देश में चल रहे उथल पुथल के बीच तालिबान के ध्वज तले खेलने का फैसला करती है तो आईसीसी उसे भाग लेने से रोक सकती है।

अलारडाइस ने वर्चुअल बातचीत में कहा, ''वे आईसीसी के पूर्णकालिक सदस्य हैं और टीम अभी प्रतियोगिता (विश्व कप) की तैयारी कर रही है और ग्रुप चरण में खेलेगी। उनकी भागीदारी की प्रक्रिया सामान्य रूप से आगे बढ़ रही है।'' देश में तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट में बदलाव भी किये गये। पिछले महीने हामिद शिनवारी की जगह नसीब जादरान खान को क्रिकेट बोर्ड का मुख्य कार्यकारी नियुक्त किया गया।

अलारडाइस ने कहा, ''जब अगस्त में अफगानिस्तान में सत्ता परिवर्तन हुआ हम तभी से अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के लगातार संपर्क में हैं। हमारी प्राथमिकता उस देश में सदस्य बोर्ड के जरिये क्रिकेट को बढ़ावा देना है। हम देख रहे हैं कि वहां चीजें कैसे आगे बढ़ती हैं।'' अफगानिस्तान आईसीसी का पूर्णकालिक सदस्य है। टी20 विश्व कप में उसे ग्रुप दो में रखा गया है जिसमें भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड जैसी टीमें भी हैं।

टी-20 विश्व कप में पहली बार डीआरएस का होगा प्रयोग, 1 पारी में 2 बार अंपायर के फैसले को चुनौती दे सकेगा कप्तान

दुबई। टी-20 विश्व में पहली बार डिसिज़न रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) का उपयोग किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की गवर्निंग बॉडी ने इस बात की घोषणा करते हुए कहा कि इस महीने के अंत में शुरू हो रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप में डीआरएस की सुविधा उपलब्ध रहेगी। आगामी टी-20 विश्व कप के लिए इस सप्ताह आईसीसी द्वारा जारी की गई खेल की शर्तों के अनुसार, प्रत्येक टीम को प्रति पारी अधिकतम दो रिव्यू लेने का मौका मिलेगा। गवर्निंग बॉडी ने पिछले साल जून में सभी प्रारूपों के एक मैच की प्रत्येक पारी में, प्रत्येक टीम के लिए एक अतिरिक्त डीआरएस की पुष्टि की थी। 'कोविड 19 की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कई बार ड्यूटी पर कम अनुभवी अंपायर हो सकते हैं' इसीलिए प्रत्येक टीम के लिए प्रति पारी असफल अपीलों के लिए वनडे और टी-20 मैचों दो और टेस्ट के लिए तीन डीआरएस की समीक्षा सुविधा देने का निर्णय लिया था। इसके साथ ही आईसीसी ने मैच में देरी और बारिश से बाधित मैचों के लिए न्यूनतम ओवरों की संख्या बढ़ाने का भी फ़ैसला किया है। टी-20 विश्व कप के ग्रुप चरण के दौरान प्रत्येक टीम को डीएलएस पद्धति से परिणाम तय करने के लिए कम से कम पांच ओवर बल्लेबाज़ी करनी होगी। हालांकि सेमीफ़ाइनल और फ़ाइनल के लिए प्रत्येक टीम को परिणाम तय करने के लिए कम से कम 10 ओवर बल्लेबाज़ी करनी होगी। पुरुषों के टी-20 विश्व कप में इससे पहले डीआरएस का उपयोग नहीं किया गया था क्योंकि इस इवेंट का अंतिम संस्करण 2016 में हुआ था जब टी-20 में डीआरएस नहीं था। 2018 महिला टी-20 विश्व कप आईसीसी का पहला टूर्नामेंट था जिसमें डीआरएस उपलब्ध था। इस प्रतियोंगिता में प्रत्येक टीम के पास एक रिव्यू उपलब्ध था। ऑस्ट्रेलिया में महिला टी-20 विश्व कप के 2020 संस्करण में फिर से उसी का उपयोग किया गया था। डीआरएस अंपायरों द्वारा निर्णय लेने में ग़लती होने के मार्जिन को कम करने के लिए बनाया गया था। इस नियम के ज़रिए अगर कोई खिलाड़ी अंपायर के फ़ैसले से नाखुश है तो वह रिव्यू ले सकता है। इसके बाद फ़ील्ड अंपायर तीसरे अंपायर से परामर्श लेते हैं। पुरुष क्रिकेट की बात की जाए तो इसका प्रयोग 2017 के बाद से आईसीसी के प्रमुख प्रतियोगिताओं में किया जा रहा है। आईसीसी के नियमों के तहत, पुरुषों और महिलाओं दोनों के अंतर्राष्ट्रीय मैचों में डीआरएस का उपयोग द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए भाग लेने वाले दोनों बोर्ड के विवेक पर है कि वह इस प्रणाली का प्रयोग करना चाहते हैं या नहीं।

कोहली ब्रिगेड और मोर्गन की टीम के बीच होगी असल परीक्षा, क्या पहला खिताब जीतने के करीब पहुंच पाएगी आरसीबी?

शारजाह। (एजेंसी)।

अपने पहले खिताब की कवायद में लगा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एलिमिनेटर में जब पूर्व चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना करेगा तो विराट कोहली के रणनीतिक कौशल और इयोन मोर्गन के धैर्य की भी कड़ी परीक्षा होगी। इस सत्र के बाद कप्तानी छोड़ने का फैसला कर चुके कोहली की अगुवाई में आरसीबी 2016 में फाइनल में पहुंचा था। इसके अलावा उनके नेतृत्व में टीम 2015 और 2020 में भी प्लेऑफ में पहुंची थी और अब कोहली खिताब के साथ कप्तानी से शानदार विदाई लेना चाहेंगे। मोर्गन के सामने केकेआर की खोयी प्रतिष्ठा फिर से हासिल करने की चुनौती है। टीम ने 2012 से 2014 के बीच तीन साल के अंदर गौतम गंभीर की अगुवाई में दो बार खिताब जीता था।

कागजों पर यह दो ऐसी टीमों के बीच मुकाबला है जो समान रूप से मजबूत हैं लेकिन आंकड़ों के लिहाज से केकेआर का पलड़ा थोड़ा भारी है। उसने दोनों टीमों के बीच खेले गये 28 मैचों में से 15 में जीत

दर्ज की है। आरसीबी की टीम हालांकि अपने अंतिम लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आखिरी गेंद पर छक्के से जीत दर्ज करने के बाद आत्मविश्वास से भरी है। वह 14 मैचों में 18 जीत से अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रही। केकेआर ने दूसरी तरफ पहले चरण के लचर प्रदर्शन के बाद यूएई चरण में सात में से पांच मैच जीते और 14 अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया।

मोर्गन की टीम ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 86 रन की बड़ी जीत से प्लेऑफ में जगह पक्की की और वह आगे भी अपनी इस लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी। लेकिन मैदान पर पिछले रिकार्ड अधिक मायने नहीं रखेंगे और मैच में महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम जीत दर्ज करेगी। यह बात कोहली और मोर्गन दोनों अच्छी तरह से जानते हैं। दोनों कप्तानों के पास अच्छे कुशल खिलाड़ी हैं। आरसीबी में कोहली के अलावा एबी डिविलियर्स, ग्लेन मैक्सवेल और देवदत्त पडिक्कल के रूप में दमदार बल्लेबाज हैं। श्रीकर भरत का अच्छा प्रदर्शन टीम के लिये सकारात्मक संकेत हैं लेकिन टीम को उचित संयोजन तलाशने की जरूरत है जिसमें वह अभी तक नाकाम रही है।

पुरुष टी20 विश्व कप 2021 के विजेता को 16 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने रविवार को कहा कि पुरुष टी20 विश्व कप 2021 के विजेता को 16 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी जबकि उपविजेता को जीत की आधी राशि मिलेगी। आईसीसी ने यह भी कहा कि हारने वाले दो सेमीफाइनलिस्टों को 400,000 डॉलर मिलेंगे। टी20 विश्व कप टूर्नामेंट जो 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में खेला जाएगा, उसमें सभी 16 प्रतिस्पर्धी टीमों को टूर्नामेंट के लिए पुरस्कार राशि के रूप में आवंटित 5.6 मिलियन डॉलर का हिस्सा मिलेगा। टूर्नामेंट के 2016 संस्करण की तरह, सुपर 12 चरण में एक टीम जीतने वाले प्रत्येक मैच के लिए एक बोनस राशि होगी। उस चरण के 30 खेलों में से प्रत्येक में जीतने वाली टीम इस बार 40,000 डॉलर जिसका कुल बजट 1,200,000 डॉलर है। सुपर 12 चरण में प्रतिस्पर्धा करने वाली टीमों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज हैं। जिन आठ टीमों के पुरुष टी20 विश्व कप अभियान सुपर 12 चरण में समाप्त होंगे, उन्हें स्वचालित रूप से 70,000 डॉलर मिलेंगे, जो कुल मिलाकर 560,000 डॉलर होंगे। पहले दौर में बाहर हुई चार टीमों को 40,000 डॉलर मिलेंगे। जिन टीमों के अभियान पहले दौर में शुरू होते हैं, वे हैं बांग्लादेश, आयरलैंड, नामीबिया, नीदरलैंड, ओमान, पापुआ न्यू गिनी, स्कॉटलैंड और श्रीलंका। आईसीसी ने यह भी कहा कि पुरुषों के टी20 विश्व कप के प्रत्येक मैच में दो निर्धारित ड्रिंक्स ब्रेक होंगे। निर्धारित ब्रेक 2 मिनट 30 सेकंड तक चलेगा और प्रत्येक पारी के मध्य में लिया जाएगा। निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) का उपयोग पहली बार पुरुषों के टी20 विश्व कप में भी किया जाएगा। प्रत्येक टीम को मैच में प्रति पारी अधिकतम दो डीआरएस मिलेंगी।

टेस्ट क्रिकेट पर गहरा असर डाल रहा है टी20 प्रारूप, चैपल बोले- यह अधिक लुभावना और लोकप्रिय है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल का मानना है कि टी20 प्रारूप के लगातार बढ़ते कदमों से टेस्ट क्रिकेट पर गहरा असर पड़ रहा है विशेषकर कोविड-19 के कारण पैदा हुई मुश्किल परिस्थितियों में लंबी अवधि के प्रारूप के लिये स्थिति अधिक विकट हो गयी है। चैपल ने कहा कि टी20 में मैच पूरा करने में कम समय लगता है और इसलिए यह पारंपरिक प्रारूप पर हावी हो गया है। उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइन्फो में अपने कॉलम में लिखा, ''यूएई में टी20 विश्व कप खेला जाना है और उसके बाद उम्मीद है कि आस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला होगी। एशेज श्रृंखला को लेकर चली बातचीत का मुख्य कारण कोविड महामारी थी लेकिन टी20 प्रारूप टेस्ट क्रिकेट पर अधिक गहरा प्रभाव डाल रहा है।'' चैपल ने कहा, ''टी20 टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों को शामिल करने के लिये केवल कुछ दिनों की जरूरत होती है और इसलिए वर्तमान की मुश्किल परिस्थितियों में लंबी अवधि की टेस्ट श्रृंखला की तुलना में इसमें समझौता करना आसान होता है।'' उन्होंने कहा, ''कम अवधि का होने के कारण टी20 क्रिकेट उन देशों को टेस्ट मैचों की तुलना में अधिक अनुकूल लगता है जो पारंपरिक तौर पर क्रिकेट खेलने वाले देश नहीं हैं। यही वजह है कि आगामी टी20 टूर्नामेंट में ओमान और पापुआ न्यूगिनी जैसे देश भाग ले रहे हैं।''

एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड को शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी को मजबूत करना होगा: पनेसर

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर को लगता है कि जोए रूट की अगुवाई वाली टीम, जो दिसंबर-जनवरी में 11-सप्ताह की एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी, उसको हाल के दिनों में अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजी को मजबूत करना होगा। रूट के फॉर्म को छोड़कर, इंग्लैंड का शीर्ष क्रम काफी दिनो से रन नहीं बना पा रहा है। टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 0-1 से हार गई है, और विराट कोहली के खिलाफ पांच मैचों की घरेलू श्रृंखला में 1-2 से पीछे चल रही थी। पनेसर ने शनिवार को स्पोर्ट्सकीड को बताया, रिपोर्ट के मुताबिक इंग्लैंड अपनी पूरी क्षमता के साथ एशेज खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। इंग्लैंड टीम के शीर्ष बल्लेबाज पिछले कुछ दिनो से रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आ रहे है। पनेसर ने कहा कि इंग्लैंड को सीरीज में आगे बढ़ने के लिए रूट को शीर्ष क्रम के समर्थन की जरूरत होगी। रूट शानदार फॉर्म में हैं, उनका रिकॉर्ड अविश्वसनीय रहा है क्योंकि वह टीम के लिए 30 प्रतिशत रन बना रहा है। बाएं हाथ के स्पिनर पनेसर, जिन्होंने इंग्लैंड के लिए 50 टेस्ट खेले हैं और 167 विकेट लिए हैं, उसने कहा कि इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों से सावधान रहना चाहिए क्योंकि वह मेहमान टीम के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हैं। पनेसर ने कहा, यह ऑस्ट्रेलियाई टीम मजबूत है । उनके पास अच्छे तेज गेंदबाज हैं, यह वह गति है जो संभावित रूप से इंग्लैंड को हराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। 2019 में इंग्लैंड में पिछली सीरीज के ड्रॉ होने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने एशेज पर कब्जा कर लिया था।

हॉकी इंडिया एकतरफा फैसला करके राष्ट्रमंडल खेलों से नहीं हट सकता, अनुराग ठाकुर बोले- सरकार से लेनी चाहिए सलाह

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का एकतरफा फैसला करने के लिये हॉकी इंडिया को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि राष्ट्रीय महासंघ का ऐसा कोई भी निर्णय करने से पहले सरकार के साथ परामर्श करना जरूरी होता है। ठाकुर ने कहा कि देश में ओलंपिक खेलों का मुख्य वित्त पोषक होने के कारण सरकार को राष्ट्रीय टीम के प्रतिनिधित्व पर निर्णय करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि किसी भी महासंघ को इस तरह का बयान देने से बचना चाहिए और पहले सरकार के साथ चर्चा करनी चाहिए क्योंकि यह महासंघ की टीम नहीं, राष्ट्रीय टीम है।''

ठाकुर ने कहा, ''इस 130 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में केवल 18 खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व नहीं करते है। यह (राष्ट्रमंडल खेल) वैश्विक प्रतियोगिता है और मेरा मानना है कि उन्हें (हॉकी इंडिया) को सरकार और संबंधित विभाग से बात करनी चाहिए। फैसला सरकार करेगी।'' हॉकी इंडिया ने कोविड-19 से जुड़ी चिंताओं और ब्रिटेन के पृथकवास से जुड़े भेदभावपूर्ण नियमों के कारण मंगलवार को बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया जिसके बाद ठाकुर का कड़ा बयान आया है।

हॉकी इंडिया ने इसके साथ ही कहा था कि बर्मिंघम खेलों (28 जुलाई से आठ अगस्त) और हांगजोउ एशियाई खेलों (10 से 25 सितंबर) के बीच केवल 32 दिन का समय है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर टीम 2024 में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिये सीधे क्वालीफाई कर जाएगी। मंत्री ने कहा कि देश में हॉकी प्रतिभाओं की कमी नहीं हैं तथा उन्होंने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा कि पेशेवर खिलाड़ियों के लिये लगातार दो टूर्नामेंटों में खेलना नयी बात नहीं है। उन्होंने कहा, ''भारत में हॉकी में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। अगर आप क्रिकेट देखें तो आईपीएल चल रहा है और फिर विश्व कप है। अगर क्रिकेटर एक के बाद एक दो टूर्नामेंट खेल सकते हैं, तो दूसरे खेलों के खिलाड़ी क्यों नहीं खेल सकते हैं।''

ठाकुर ने कहा, ''मैं समझ सकता हूं कि एशियाई खेलों को प्राथमिकता दी जा रही है और मैं इस संदर्भ में नहीं जा रहा हूं। मैं सिर्फ यह कह रहा हूं कि

भारतीय टीम कहां खेलेगी, यह केवल महासंघ नहीं सरकार पर भी निर्भर करता है।'' इस बीच ठाकुर ने कहा कि इस साल के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के लिये चयनसमिति की बैठक अगले 10 दिन में हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''चयन समिति अगले 10 दिन में बैठक करेगी जिसमें वह पुरस्कार विजेताओं पर फैसला करेगी। राष्ट्रपति से समय मिलने के बाद पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे।

रोहित, ईशान और बुमराह को आईपीएल मेगा नीलामी में मुंबई को बनाए रखना चाहिए: सहवाग

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग को लगता है कि पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को आगामी आईपीएल मेगा नीलामी से पहले कप्तान रोहित शर्मा, युवा खिलाड़ी ईशान किशन और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अपनी टीम में बनाए रखना चाहिए। बीसीसीआई ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि आईपीएल 2022 मौजूदा आठ टीमों के मुकाबले 10 टीमों का होगा और सीजन की शुरूआत से पहले एक मेगा नीलामी होने वाली है। भले ही आईपीएल मेगा नीलामी के सटीक नियमों की घोषणा की जानी बाकी है, लेकिन विश्वास यह है कि प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अधिकतम तीन खिलाड़ियों को बनाए रखने की अनुमति होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मनोवांछित फल के लिए करें सुर्य आराधना

हिन्दू धर्मानुसार भगवान सूर्य देव एक मात्र ऐसे देव हैं जो साक्षात लोगों को दिखाई देते हैं। सूर्य देव का वर्णन वेदों और पुराणों में भी किया गया है। रविवार भगवान सूर्य का दिन माना जाता है और इस दिन सूर्य देव की उपासना का विशेष महत्व है। भगवान सूर्य को अर्घ्य देने का विशेष महत्व है।

भगवान सूर्य कि कृपा पाने के लिए तांबे के पात्र में लाल चन्दन, लाल पुष्प, अक्षत डालकर प्रसन्न मन से सूर्य मंत्र का जाप करते हुए उन्हें जल अर्पण करना चाहिए श्री सूर्यनारायण को तीन बार अर्घ्य देकर प्रणाम करना चाहिए। इस अर्घ्य से भगवान सूर्य प्रसन्न होकर अपने भक्तों की हर संकटो से रक्षा करते हुए उन्हें आरोग्य, आयु, धन, धान्य, पुत्र, मित्र, तेज, यश, कान्ति, विद्या, वैभव और सौभाग्य को प्रदान करते हैं। सूर्य भगवान की कृपा पाने के लिए जातक को प्रत्येक रविवार अथवा माह के किसी भी शुक्ल पक्ष के रविवार को गुड और चावल को नदी अथवा बहते पानी में प्रवाहित करना चाहिए। तांबे के सिक्के को भी नदी में प्रवाहित करने से सूर्य भगवान की कृपा बनी रहती है। रविवार के दिन स्वयं भी मीठा भोजन करें एवं घर के अन्य सदस्यों को भी इसके लिए प्रेरित करें। भगवान सूर्यदेव को उस दिन गुड का भोग लगाना कतई न भूलें। यह ध्यान रहे कि सूर्य भगवान की आराधना का सर्वोत्तम समय सुबह सूर्योदय का ही होता है। आदित्य ह्रदय का नियमित पाठ करने एवं रविवार को तेल, नमक नहीं खाने तथा एक समय ही भोजन करने से भी सूर्य भगवान कि हमेशा कृपा बनी रहती है। मनोवांछित फल पाने के लिए निम्न मंत्र का उच्चारण करें। ओंम ह्रीं ह्रीं सूर्याय सहस्त्रकिरणराय मनोवांछित फलम् देहि देहि स्वाहा।

ऐसा करने से चमकेगी किस्मत

आज की दौड़ भाग भरी अपनी जिंदगी में हर इंसान दुखी है। हर इंसान के सामने कोई न कोई ऐसी परेशानी होती है जिसे लेकर वह हर समय परेशान रहता है। अधिकतर इंसान अपने रोजगार, धन लक्ष्मी को लेकर परेशान अधिक रहता है इनके अलावा भी जीवन में बहुत सी ऐसी परेशानियां होती है जिनका उपाय खोजते खोजते वह थक जाता है लेकिन उसकी कई समस्याएं दूर नहीं होती। सभी धर्मो में तंत्र शास्त्र ज्योतिष का बडा महत्व माना गया है। तंत्र त्योतिष के अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवन में छोटे छोटे उपाय करे या यूं कहें कि कुछ बातों को अगर वह आदतों में डाल ले तो उसकी जीवन में आधी परेशानियां तो ऐसे ही खत्म हो सकती हैं।

कुछ ऐसी बातें हैं जिनको करने से व्यक्ति को अधिक समय भी नहीं लगता और उसका लाभ भरपूर मिलता है जिससे उसके जीवन में तरक्की राह को आगे बढाते हैं और तरक्की के रास्ते में जो भी बाधाएं आ रही हैं वो दूर हो जाती हैं। रोज सुबह अपनी हथेलियां देखें रोज सुबह उठने के बाद कुछ पल तक अपनी हथेलियों के दर्शन करने के बाद हथेलियों को अपने चेहरे पर फिराना चाहिए। पौराणकि कथाओं में ऐसा कहा गया है कि हथेलियों के अग्रभाग में मां लक्ष्मी, बीच में मां सरस्वती और कलाई की ओर वाले भाग में भगवान विष्णु का स्थान होता है। शास्त्रों के अनुसार सुबह हथेली के दर्शन करने से भगवान के दर्शन होते हैं इसलिए सुबह हथेली देखना शुभ माना गया है।

सुबह घर में झाडू लगाएं

घर की सफाई तो सभी करते हैं लेकिन अगर यह काम सुबह किया जाए तो ज्यादा अच्छा होता है। माना जाता है कि घर में सुबह झाडू पोछा करने से घर में लक्ष्मी आती है।

पहली रोटी गाय को खिलाएं

भोजन के लिए बनाई जा रही रोटियों में पहली रोटी गाय को खिलानी चाहिए। माना जाता है कि गाय के शरीर में वास कर रहे सभी देवी देवता प्रसन्न होते हैं और आपकी मनोकामना पूरी करते हैं।

चींटियों को आटा डालें

चीनी मिला हुआ आटा चीटिंयों को खिलाना बहुत ही पुण्य का काम माना जाता है। ध्यान रहे अगर आटा भुना हुआ हो तो ज्यादा अच्छा रहता है और यही पुण्य आपकी किस्मत बदलने में सहायक होता है।

मछलियों को आटा खिलाएं

अगर आपके आस-पास कोई तालाब, नदी या झील है वहां जाकर रोज मछलियों को कुछ खाने के लिए जैसे आटे की गोलियां बनाकर डालें। मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए बहुत ही आसान उपाय है। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

देवताओं को फूल चढ़ाएं

घर में स्थापित देवी-देवताओं को फूलों से सजाना चाहिए। ध्यान रहे कि फूल ताजे हों और स्त्रान करने के बाद ही तोडे गए हों। सच्चे मन से फूल चढाने पर देवी देवता प्रसन्न होते हैं और इंसान के जीवन में विघ्नों को दूर करते हैं।

पीपल पर जल चढाएं

संभव हो तो रोज सुबह स्त्रान करने के बाद पीपल के पेड पर एक लोटा जल चढाएं। माना जाता है कि पीपल के पेड में भगवान का विष्णु का वास होता है और इससे वह प्रसन्न होते हैं और शुभ फल प्रदान करते हैं।

माता-पिता का आशीर्वाद लें

घर से जब भी बाहर निकलें तो अपने बुजुर्गों का पैर छूकर आर्शीवाद लें। ऐसा करने से आपकी खराब चल रही ग्रह दशा में सुधार होगा और परिस्थितियां आपके अनुकूल होंगी। कहते हैं कि माता पिता के चरणों में स्वर्ग होता है और बच्चों के विकास में माता पिता की दुआ का बहुत असर होता है इसलिए बुजुर्गो का आशीर्वाद लें।

इसलिए जलाते हैं हर शुभ काम में दीपक

भारतीय संस्कृति में प्रत्येक धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम में दीप प्रपावलित करने की परंपरा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दीप प्रपावलित क्यों किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि अग्निदेव को साक्षी मानकर जो भी कार्य किए जाते हैं वे अवश्य सफल होते हैं। गौरतलब है कि हमारे शरीर की रचना के सहायक तत्वों में एक अग्नि तत्व भी है। अग्नि को पृथ्वी पर सूर्य का परिवर्तित रूप माना जाता है। इस कारण किसी भी देवी देवता की पूजा करते समय ऊर्जा को केंद्रीभूत करने के लिए दीपक प्रज्ज्वलित किया जाता है। इसके पीछे दूसरी मान्यता यह है कि प्रकाश ज्ञान का प्रतीक है। परमात्मा प्रकाश और ज्ञान रूप सब जगह व्याप्त है। ज्ञान प्राप्त करने से अज्ञानरूपी मनोविकार दूर होते हैं और सांसारिक शूल मिटते हैं। इस कारण प्रकाश की पूजा को ही परमात्मा की पूजा माना जाता है। मंदिर में आरती करते समय दीपक जलाने के पीछे यही उद्देश्य बताया गया है कि प्रभू हमारे मन के अज्ञानरूपी अंधकार को दूर करके ज्ञानरूपी प्रकाश फैलाएं।

मंदिर में ना करें ये गलतियां, वरना...

अधिकांश घरों में देवी-देवताओं के लिए एक अलग स्थान होता है। कुछ घरों में छोटे-छोटे मंदिर बनवाए जाते हैं। नियमित रूप से घर के मंदिर में पूजन करने पर चमत्कारी रूप से शुभ फल प्राप्त होते हैं। वातावरण पवित्र बना रहता है, जिससे महालक्ष्मी सहित सभी दैवीय शक्तियां घर पर अपनी कृपा बनाए रखती हैं। लेकिन हम जानकारी के अभाव में मंदिर में कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो कि अशुभ होती है। आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बता रहे हैं, जो कि घर के मंदिरों में नहीं की जानी चाहिए।

घर के मंदिर में सभी श्री गणेश की मूर्तियां तो रखते हैं, लेकिन पूजा घर में कभी भी गणेश जी की 3 प्रतिमाएं नहीं होना चाहिए। कहा जाता है कि ऐसा होने सही नहीं होता है। आप अपने घर के मंदिर में पूजा करने के लिए शंख तो रखते ही होंगे, लेकिन कभी आपके घर में दो शंख तो नहीं है। अगर मंदिर में दो शंख है तो आप उनमे से एक शंख हटा दें। घर के मंदिर में ज्यादा बडी मूर्तियां नहीं रखनी चाहिए। बताया जाता है कि यदि हम मंदिर में शिवलिंग रखना चाहते हैं तो शिवलिंग हमारे अंगूठे के आकार से बड़ा नहीं होना चाहिए। शिवलिंग बहुत संवेदनशील होता है और इसी वजह से घर के मंदिर में छोटा-सा शिवलिंग रखना शुभ होता है। शास्त्रों के अनुसार खंडित मूर्तियों की पूजा वर्जित है। जो भी मूर्ति खंडित हो जाती है, उसे पूजा के स्थल से हटा देना चाहिए और किसी पवित्र बहती नदी में प्रवाहित कर देना चाहिए। खंडित मूर्तियों की पूजा अशुभ मानी गई है। पूजन करते वक्त ये भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि पूजा के बीच में दीपक बुझना नहीं चाहिए। ऐसा होने पर पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं हो पाता है। घर में जिस स्थान पर मंदिर है, वहां चमड़े से बनी चीजें, जूते-चप्पल नहीं ले जाना चाहिए। मंदिर में मृतकों और पूर्वजों के चित्र भी नहीं लगाना चाहिए। पूर्वजों के चित्र लगाने के लिए दक्षिण दिशा क्षेत्र रहती है। घर में दक्षिण दिशा की दीवार पर मृतकों के चित्र लगाए जा सकते हैं, लेकिन मंदिर में नहीं रखना चाहिए।

पूजा के मंदिर देवी-देवताओं को हार-फूल, पत्तियां आदि कभी भी बिना धोएं अर्पित ना करें। ये चीजें अर्पित करने से पहले एक बार साफ पानी से अवश्य धो लेना चाहिए। घर में पूजन स्थल के ऊपर कोई कबाड़ या भारी चीज न रखें। भगवान का मंदिर ऊपर से खाली होना चाहिए, साथ ही मंदिर पर गुंबद होना चाहिए। पूजन में कभी भी खंडित दीपक नहीं जलाना चाहिए। धार्मिक कार्यों में खंडित सामग्री शुभ नहीं मानी जाती है। घी के दीपक के लिए सफेद रुई की बत्ती उपयोग किया जाना चाहिए। जबकि तेल के दीपक के लिए लाल धागे की बत्ती श्रेष्ठ बताई गई है।

अनोखा मंदिर ! चोरी करने से पूरी होती है मनोकामना

आप अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए कई प्रकार के जतन करते है। कोई रोज सुबह-सुबह मंदिर जाकर भगवान से मनत मांगता है तो कोई कई प्रकार के टोटके करता है। लेकिन, हरिद्वार व उत्तराखंड में देवी का एक ऐसा मंदिर है जिसके बारे में कहा जाता है कि इस मंदिर में चोरी करने से मनोकामना पूरी होती है। रूड़की के चुड्डयाला गांव के भगवानपुर में प्राचीन सिद्धपीठ चूडामणि देवी मंदिर में भक्त देश के हर कोने से आते हैं। लोगों का मानना है कि इस मंदिर में चोरी करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और खासकर जिन्हें बेटे की चाह होती है वह जोड़े इस मंदिर में आकर माता के चरणों से लोकडा (लक़डी का गुड्डे) चोरी करके अपने साथ ले जाएं तो बेटा होता है। स्थानीय लोगों के अनुसार मन्नत पूरी होने के बाद बेटे के साथ माता-पिता को यहां माथा टेकने आना होता है। बेटा होने पर दंपती यहां से ले जाए हुए लोक़डे के साथ ही एक अन्य लोकडा भी अपने बेटे के हाथों देवी के चरणों में चढवाते हैं। स्थानीय लोगों की माने तो इस मंदिर का निर्माण 1805 में लंढौरा रियासत के राजा ने करवाया था। एक कहानी के अनुसार एक बार लंढौरा रियासत के राजा शिकार करने जंगल में आए हुए थे तभी घूमते-घूमते उन्हें माता की पिंडी के दर्शन हुए। राजा का कोई पुत्र नहीं था। इसलिए राजा ने उसी समय माता से बेटे की मन्नत मांगी। राजा की इच्छा पूरी होने पर उन्होंने इस मंदिर का निर्माण करवाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि माता के इस मंदिर में आने वाले भक्त कभी खाली हाथ नहीं आते। मन्नत पूरी होने पर भक्त साल

सार समाचार

बोलीविया में वायुसेना का विमान दुर्घटनाग्रस्त, छह लोगों की मौत

ला पाज। बोलीविया वायुसेना का एक विमान शनिवार को देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में अमेजन वन में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बेनी प्रांत की पुलिस के मुताबिक, विमान में सवार दो सैन्य पायलटों और चार असैन्य नागरिकों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई थी। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

कांगो में नौका दुर्घटना के बाद 100 से ज्यादा लोग लापता

किंशासा (कांगो)। कांगो के उत्तर-पश्चिम में मोंगाला प्रांत में इस सप्ताह कांगो नदी में नौका दुर्घटना में 100 लोगों की मौत हो गई या वे लापता हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय अधिकारियों और हादसे में जीवित बचे लोगों के मुताबिक यह घटना मोंगाला प्रांत के बुंबा शहर के पास सोमवार-मंगलवार की दरम्यानी रात में हुई। मोंगाला प्रांत के परिवहन और संचार मंत्री मिसिसो ने बताया कि 61 शव निकाल लिए गए हैं। मिसिसो ने बताया कि अब भी 100 से ज्यादा लोग लापता हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी हैं। उन्होंने कहा कि 30 लोगों को बचा लिया गया।

पाकिस्तान में डेंगू के मामले बढ़ने पर अस्पतालों में बेड की किल्लत

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (आईएएनएस)। पाकिस्तान के पंजाब, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों के अस्पतालों में डेंगू के और मरीज को भर्ती करने से इनकार कर रहे हैं, क्योंकि देश भर में मामले बढ़ने के चलते बेड की किल्लत हो गई है। द न्यूज इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब के अस्पतालों में कोरोनोवायरस रोगियों के लिए आरक्षित बेड का उपयोग डेंगू वायरस के रोगियों के इलाज के लिए किया जा रहा है। शहर में तेजी से बढ़ते मामलों से निपटने के लिए इस्लामाबाद में एक बड़े पैमाने पर डेंगू वायरस अभियान शुरू किया गया है। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री यास्मीन राशिद की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया, जिसमें सूबे में मच्छरों के तेजी से प्रजनन को रोकने की चुनौती पर विचार किया गया और आने वाले हफ्तों में डेंगू की स्थिति के संभावित बिगड़ने पर चिंता व्यक्त की गई है। प्रांतीय स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए छुट्टी पर गए सभी डॉक्टरों को अपने-अपने चिकित्सा केंद्रों पर लौटने का भी निर्देश दिया है। पंजाब के स्वास्थ्य सचिव इमरान सिकंदर बलूच ने कहा, हाल ही में हुई बारिश के साथ-साथ लाहौर के कुछ इलाकों में नमी और निर्माण कार्यों के चलते डेंगू को एक प्रजनन स्थल मिली है, जिसने शहर और इसके आसपास के इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया है।

अल्बानियाई प्रधानमंत्री ने ऊर्जा संकट से निपटने की योजना के बारे में बताया

तिराना। अल्बानियाई प्रधानमंत्री एडी रामा ने सबसे कमजोर अल्बानियाई, उपभोक्ताओं और छोटे उद्यमों को पहले बचाने के लिए, अपेक्षित ऊर्जा संकट को दूर करने के लिए अपनी सरकार की आपातकालीन योजना के बारे में बताया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को जारी एक बयान में, रामा ने घोषणा की कि ऊर्जा संकट से उबरने की योजना तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित होगी, जिसमें निरंतर ऊर्जा शक्ति की गारंटी, परिवारों और छोटे उद्यमों को बढ़ी हुई कीमतों से बचाना और ऊर्जा खरीदने के लिए वित्तीय साधनों की खरीद शामिल है। प्रधानमंत्री के अनुसार, सरकार की योजना परिवारों और छोटे उद्यमों के लिए कीमतों में किसी भी वृद्धि को बाहर करती है। अल्बानियाई सरकार, रामा ने उल्लेख किया, संकट को दूर करने के लिए 20 करोड़ यूरो (23.1 करोड़ डॉलर) आवंटित करेगी, जहां आधी राशि ऊर्जा वितरण कंपनी को जाएगी और दूसरी आधी निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति की गारंटी देने और मूल्य वृद्धि से बचने के लिए की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि अल्बानिया वर्तमान में इसे बेचने की तुलना में अधिक कीमत पर ऊर्जा खरीद रहा है, इस तथ्य के कारण कि देश सूखे के समय ऊर्जा खरीदता है और आर्द्र मौसम के दौरान इसे बेचता है। रामा ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उच्च ऊर्जा कीमतों के अपेक्षित ऊर्जा की कमी के कारण देश के लिए आपातकाल की स्थिति घोषित करने के सरकार के फैसले की घोषणा की।

लेबनान को ब्लैकआउट का सामना करना पड़ा, बिजली स्टेशनों में ईंधन हुआ खत्म

बेरूत। लेबनान की बिजली ग्रिड पूरे देश में बंद हो गई है क्योंकि अल-जहरानी और दीर अम्मार के दो मुख्य बिजली स्टेशनों में ईंधन की कमी हो गई है। इसकी जानकारी स्थानीय समाचार वेबसाइट एलनाशरा ने दी। समाचार एजेंसी ने वेबसाइट के हवाले से बताया कि थर्मो इलेक्ट्रिक प्लांट शनिवार को जहरानी पावर स्टेशन पर रुक गया, जबकि डीर अम्मार प्लांट शुक्रवार को ईंधन की कमी के कारण बंद हो गया। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों तक बिजली गुल रहेगी। शनिवार को, लेबनान की राज्य बिजली कंपनी ने अपनी चेतावनी को नवीनीकृत किया कि अगर सेंट्रल बैंक बिजली संयंत्रों को चलाने के लिए ईंधन तेल खरीदने में विफल रहता है तो देश को कुल ब्लैकआउट का सामना करना पड़ेगा। लेबनान अपने वित्तीय संकट के कारण ईंधन की कमी से जूझ रहा है, जिसने हजारों व्यवसायों को अपने दरवाजे बंद करने के लिए मजबूर किया, जबकि अधिकांश नागरिक निजी जनरेटर पर निर्भर हैं।

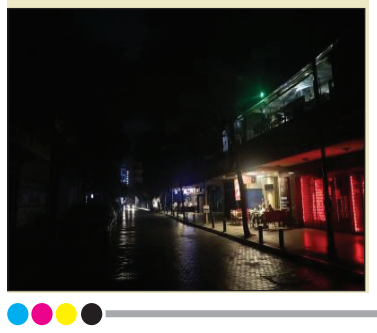

मर्केल अपनी अंतिम आधिकारिक यात्रा पर इजरायल पहुंचीं

जेरूसलम (एजेंसी)।

जर्मनी की निवर्तमान चांसलर एंजेला मर्केल 16 साल तक इस पद पर रहने के बाद पद छोड़ने से पहले यहूदी राज्य की अपनी अंतिम आधिकारिक यात्रा के तहत रविवार को इजरायल पहुंचीं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मर्केल ने अपनी यात्रा की शुरूआत इजरायल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के साथ बैठक के साथ की।

कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मर्केल और बेनेट से ईरान सहित क्षेत्रीय मुद्दों पर बात करने की उम्मीद है। बाद में, निवर्तमान चांसलर यरुशलम में इजरायल के आधिकारिक होलोकॉस्ट स्मारक, याद वाशेम का दौरा करेंगी। उनके

कार्यक्रम में इजरायल के राष्ट्रपति आइजैक हज़ोग के साथ एक बैठक और उद्योग और उच्च तकनीक वाले उद्यमियों के साथ बातचीत भी शामिल है।

इजरायल में जर्मन राजदूत सुजैन वसुम-रेनर ने ट्विटर पर लिखा कि यात्रा का उद्देश्य हमारे अद्वितीय संबंधों को मजबूत करना है। मर्केल शनिवार की देर शाम तेल अवीव के बाहर बेन गुरियन हवाई अड्डे पर बेनेट के अतिथि के रूप में पहुंचीं, जिन्होंने जून में बेंजामिन नेतन्याहू के लगातार 12 साल के शासन को समाप्त कर दिया। उनकी दो दिवसीय विदाई यात्रा 16 साल के कार्यकाल के बाद हुई, जिसके दौरान उन्होंने यहूदी राज्य के साथ मधुर संबंध बनाए थे। उनकी यात्रा अगस्त में होनी थी, लेकिन अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की अराजक वापसी के बीच इसे स्थगित कर दिया गया था। मर्केल आखिरी बार 2018 में इजरायल गई थीं।

पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम के जनक एक्यू खान का निधन, सांस लेने में हो रही थी दिक्कत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के परमाणु कार्यक्रम के जनक माने जाने वाले एक्यू खान का रविवार को निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे। खान ने इस्लामाबाद में खान रिसर्च लैबोरेटरीज (केआरएल) अस्पताल में सुबह सात बजे (स्थानीय समयानुसार) अंतिम सांस ली। जियो न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद उन्हें तड़के अस्पताल लाया गया। रक्षा मंत्री परवेज खटक ने कहा कि वह खान के निधन से ÷अत्यंत दुखी÷ हैं और उन्होंने इसे ÷अपूर्णीय क्षति÷ बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं का हमेशा सम्मान करेंगे। हमारी रक्षा क्षमताओं को समृद्ध करने में उनके योगदान के लिए राष्ट्र उनका ऋणी रहेगा।

खाने की किल्लत का सामना कर रहा ब्रिटेन, छह में से 1 नागरिक को नहीं मिल पाया जरूरी सामान

अब सरकार सैनिकों को बनाएगी ट्रकों का ड्राइवर

ब्रिटेन (एजेंसी)।

शिष्टाचार और व्यवहार के मामले में ब्रिटेन की मिसाल दी जाती है। कहा जाता है कि वहां के लोग व्यवहार और भाषाशैली में सलीके का बहुत ही बारीक ख्याल रखते हैं। इसी क्रम में कतार में लगना भी शामिल है। दुनिया के कई देशों में लोग कतार में लगना पसंद नहीं करते लेकिन ब्रिटेन में ठीक इससे उलट है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही हैं कि ब्रिटेन में पेट्रोल पंप से लेकर खाने की दुकानों पर भी लंबी कतारें दिख रही हैं। दुनिया के अमीर देशों में शुमार ब्रिटेन के हालात बिगड़ते जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि लाखों लोग खाने के जरूरी सामान भी खरीद नहीं पा रहे हैं। पिछले दो हफ्ते से लोग ब्रिटेन में सामान खरीदने के लिए कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। जिसकी वजह से अब जल्द ही ब्रिटिश सैनिकों को ट्रकों को ड्राइव करना पड़ेगा। आइए, जानते हैं कि क्या है पूरा मामला।

क्रिसमस को लेकर अभी से लोग चिंतित

ब्रिटेन में सप्लाई चेन संकट कायम है। इस बात का खुलासा हाल ही में हुए ऑफिस ऑफ नेशनल एस्टेटिस्टिक के आंकड़ों से हुआ है। जिसमें पता चला है कि ब्रिटेन में पिछले 15 दिनों में छह में से एक नागरिक खाने की जरूरी चीजों को खरीद नहीं पाया।

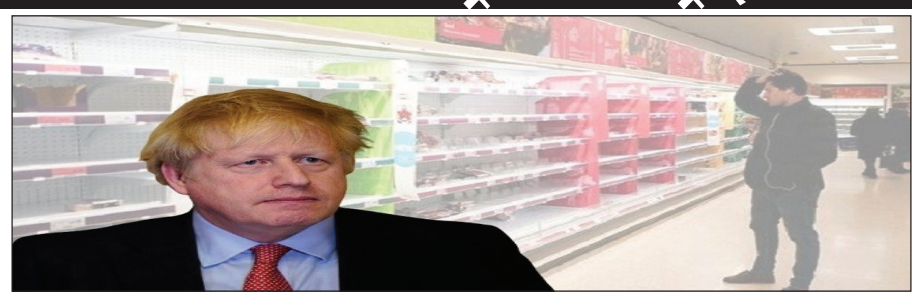

ब्रिटेन में खाने की किल्लत होने की वजह से लोग हड़बड़ाहट में सामान की खरीदारी कर रहे हैं और अपने पास खाने का स्टॉक जमा करके रख रहे हैं। वहीं द ग्रोसर के एक कंज्यूमर सर्वे से पता चला है कि लोग त्योहारी सीजन के लिए भी अभी से चिंतित हैं। इसलिए लोग 25 दिसंबर की रात क्रिसमस के दिन होने वाले खाने की तैयारी अभी से कर रहे हैं। सैकड़ों हजारों घबराए हुए खरीदारों ने क्रिसमस के लिए अपने डिलीवरी स्लॉट को बुक कर लिया है। तीन में से एक खरीदार ने अभी से ही स्लॉट को बुक कर लिया है जिससे उन्हें त्योहार वाले दिन दिक्कत न हो।

सैनिकों को ट्रक चलाने के लिए तैनात करेगी सरकार

ब्रिटेन की इन ही हालातों को देखते हुए सरकार ने फैसला लिया है कि क्रिसमस के दौरान लोगों को खाने की कमी न हो इसलिए अपने सैनिकों को ट्रक चलाने के लिए तैनात करेगी। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने टेस्को के पूर्व बॉस सर डेव लुईस को सप्लाई चेन संकट से निपटने के लिए प्रमुख नियुक्त किया है। यूके की अर्थव्यवस्था की भटकती दिशा में बदलाव का वादा करते हुए प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने देश के लिए ÷उच्च वेतन, उच्च कौशल, उच्च उत्पादकता वाली अर्थव्यवस्था÷ बनने की योजना की रूपरेखा तैयार की। अपनी कंजर्वेटिव पार्टी के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए जॉनसन ने प्रतिनिधियों से कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था और समाज के सबसे बड़े अंतर्निहित मुद्दों से निपट रही है और साथ ही उन समस्याओं से निपटने के लिए तैयार है जिनसे पहले किसी भी सरकार में निपटने की हिम्मत नहीं थी।

शांति पुरस्कार मेरे अखबार के लिए है, मेरे लिए नहीं : रूसी नोबेल विजेता मुरातोव

मॉस्को (एजेंसी)।

'नोवाया गजेटा' अखबार के संपादक दमित्री मुरातोव का कहना है कि उन्हें पता था कि उनका अखबार नोबेल शांति पुरस्कार की दौड़ में अग्रणी दावेदार है क्योंकि उसने लगतार सत्ता, सरकार में भ्रष्टाचार और रूस में मानवाधिकार उल्लंघनों की आलोचना की। मुरातोव को जब सह-विजेता घोषित किया गया, तब प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलने की बात उनके दिमाग में नहीं थी। शुक्रवार के दिन पुरस्कार की घोषणा के वक्त मुरातोव एक रिपोर्टर एलेना मिलाशिना के साथ फोन पर किसी खबर के बारे में चर्चा कर रहे थे। मुरातोव ने 'एखो मोस्कवी रेडियो' से कहा, ''अचानक ओस्लो से एक ही बार कई फोन आए। लेकिन, मिलाशिना से कोई लापरवाह आदमी ही कहेगा रुको, मैं ओस्लो से बात करूंगा और फिर तुम और मैं चर्चा करते रहेंगे।' आखिरकार मुरातोव के अखबार के प्रवक्ता ने उन्हें बताया कि उन्होंने फिलीपीन की पत्रकार मारिया रसा के साथ, 2021 का नोबेल शांति पुरस्कार जीता है। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ने इस बारे में चिंता जताई कि 'नोवाया गजेटा' को रूसी कानून के तहत ''विदेशी एजेंट'' के रूप में नामित किया जा सकता है। यह शब्द उन संगठनों और व्यक्तियों पर लागू होता है जो विदेशी धन प्राप्त करते हैं और अनिर्दिष्ट राजनीतिक गतिविधि में लगे हुए हैं। 'नोवाया वर्मेया' समाचार पत्रिका के संपादक येवगेनिया अलबाट्स ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि मुरतोव को पुरस्कार मिलने से 'नोवाया गजट' को विदेशी एजेंट करार देने से परहेज किया जाएगा और एक तरह से रूसी पत्रकारों को भी सुरक्षा मिलेगी, जिन्हें अक्सर विदेशी एजेंट करार दिया जाता है। मुझे उम्मीद है कि इससे रूसी पत्रकारिता को इन कठिन परिस्थितियों में जीवित रहने में मदद मिलेगी।

ताइवान के राष्ट्रपति ने चीनी सेना के बलप्रयोग को दृढ़ता से किया खारिज, कहा- राजनीतिक यथास्थिति चाहते हैं

ताइपे। (एजेंसी)।

ताइवान के राष्ट्रीय दिवस पर रविवार को राष्ट्रपति साई इंग वेन ने अपने भाषण में राजनीतिक यथास्थिति बनाए रखने का आह्वान किया जो चीन के बढ़ते दबाव को दिखाता है। राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित परेड में ताइवान की रक्षा क्षमता का प्रदर्शन किया गया और इस दौरान राष्ट्रपति साई इंग वेन ने चीनी सेना के बलप्रयोग को दृढ़ता से खारिज किया। ताइपे के मध्य में प्रेसिडेंशियल ऑफिस बिल्डिंग में आयोजित समारोह के दौरान ताइवान के विभिन्न जातीय समूहों से गायकों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस भवन का निर्माण जापानियों ने किया था जिन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति तक 500 सालों तक उपनिवेश के तौर पर इस द्वीप पर शासन किया था।

राष्ट्रपति ने कहा, ''हमलोग राजनीतिक यथास्थिति को एकतरफा रूप से बदलने से रोकने के लिए पूरी कोशिश करेंगे।'' चीन ताइवान को अपना क्षेत्र होने का दावा करता है जबकि यह द्वीप स्वायत्तशासी है।

उन्होंने कहा, ''हम लोग राष्ट्रीय रक्षा को बढ़ावा देते रहेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी ताइवान को चीन द्वार निर्धारित मार्ग पर चलने के लिए मजबूर नहीं करे। हम अपना बचाव करने के लिए दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि इसका कारण यह है कि चीन ने जो रास्ता बनाया है, वह न तो ताइवान के लिए एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक जीवन शैली प्रदान करता है, न ही हमारे 2.3 करोड़ लोगों के लिए संप्रभुता प्रदान करता है।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच इराक में आम चुनाव के लिए हो रहा मतदान, हवाई और जमीनी सीमाओं को किया गया बंद

बगदाद। (एजेंसी)।

इराक में रविवार को संसदीय चुनाव के लिए मतदान हो रहे हैं। वहीं, चुनाव के मद्देनजर इराक ने अपनी हवाई और जमीनी सीमाओं को बंद कर दिया

है। इस मतदान से दशकों के संघर्ष और कुप्रबंधन के खिलाफ जरूरी सुधारों को लेकर उम्मीद जगी है। वर्ष 2019 के अंत में भ्रष्टाचार, खराब सेवा और बढ़ती बेरोजगारी के विरोध में हजारों की तादाद में लोग राजधानी बगदाद और दक्षिणी प्रांतों में सड़कों पर उतरे थे। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों ने गोलियां चलायी थीं और आंसू गैस के गोले दागे थे जिसमें 600 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और हजारों लोग घायल हुए थे। इस बार के चुनाव में 329 सीटों पर कुल 3449 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

इराक में 2003 में अमेरिका के नेतृत्व में सद्दाम हुसैन को सत्ता से बेदखल करने के बाद छठी बार चुनाव हो रहे हैं। देशभर में सुरक्षित मतदान के लिए 2,50,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। सेना के जवानों, पुलिसकर्मियों और आतंकवाद रोधी बलों की मदद ली जा रही है और उन्हें मतदान केंद्रों के बाहर तैनात किया गया है। सद्दाम हुसैन के सत्ता से हटने के बाद यह पहली बार है जब चुनाव बिना कर्फ्यू के हो रहे हैं। चुनाव के मद्देनजर इराक ने शनिवार रात से सोमवार सुबह तक अपनी हवाई और जमीनी समीओं को बंद कर दिया है। इराक निर्वाचन आयोग के प्रमुख ने कहा है कि 24 घंटे के भीतर शुरुआती चुनावी नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे।

बिजली की कमी से चीन में उद्योगों को लगा झटका, बंद हो रहीं कंपनियां, कई सूबों में ब्लैकआउट

बीजिंग (एजेंसी)।

कोयले की सप्लाई में कमी के चलते दिल्ली से लेकर बिहार तक भारत के कई राज्यों में बिजली की कमी की आशंका जताई जा रही है। ब्लैकआउट जैसे हालातों को टालने के लिए केंद्र सरकार मीटिंग्स कर रही है। इस बीच पड़ोसी देश चीन में पहले ही यह संकट गहरा चुका है। चीन के कई राज्यों में बिजली की आपूर्ति ठप होने से ब्लैकआउट की स्थिति है। इसके चलते फैक्ट्रियों को अपना उत्पादन घटाना पड़ रहा है। इसके अलावा बिजली की खपत में कमी लाने की सलाह दी जा रही है। करोड़ों लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। चीन में यह अपनी तरह का पहला ऐसा संकट है, जब कई राज्यों में बत्ती गुल हो गई है।

हॉन्गकॉन्ग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन के 31 में से 20 प्रांतों में बिजली की खपत को कम करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इंडस्ट्री सेक्टर को अपने उत्पादन को फिलहाल होल्ड रखने को कहा गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि कोरोना संकट टलने के बाद फैक्ट्रियों में अचानक उत्पादन में इजाफा हुआ है। इसके चलते बिजली की मांग बढ़ गई है। दरअसल भारत की तरह ही चीन भी 70 फीसदी के करीब बिजली उत्पादन के लिए कोयले पर ही निर्भर है। अब कोयले की आपूर्ति मांग के मुकाबले कम है। इसके चलते कई राज्यों में बिजली का संकट पैदा हो गया है।

इसके चलते सितंबर महीने में फैक्ट्रियों में उत्पादन कम रहा है। कोरोना के नरम पड़ने के बाद से चीन की इकॉनमी ने तेजी से ग्रोथ की है, लेकिन अब इस संकट के चलते सितंबर में पहली बार उत्पादन में कमी देखने को मिली है। यही नहीं कई राज्यों में बिजली की कीमतों में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। गुआंगदोंग प्रांत ने इंडस्ट्रियल यूजर्स के लिए बिजली की दरों में 25 फीसदी तक के इजाफे का ऐलान किया है। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस संकट के चलते आने वाले कुछ महीनों में उत्पादन कम रहने की आशंका है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता देवेंद्र राणा और सलाथिया ने छोड़ी पार्टी, ट्वीट कर दी जानकारी

श्रीनगर। जम्मू से नेशनल कॉन्फ्रेंस के दो प्रमुख नेताओं देवेंद्र राणा और सुरजीत सिंह सलाथिया ने रविवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता ने ट्वीट कर इसकी पुष्टि की। उन्होंने ट्वीट किया, '' डॉ.फ़ारूक अब्दुल्ला को श्री सलाथिया और श्री राणा का इस्तीफा प्राप्त हुआ, जिसे स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद कोई कार्रवाई या टिप्पणी की जरूरत महसूस नहीं होती।'' जम्मू क्षेत्र के नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष राणा पिछले कई दिनों से संकेत दे रहे थे कि वह पार्टी छोड़ सकते हैं।

सहारनपुर में बोले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, कहीं आउटसोर्सिंग से न चलने लगे सरकार

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार की विनिवेश नीति पर करारा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि ''कहीं ऐसा न हो जाए कि ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह देश पर उद्योगपतियों का राज हो जाए और सरकार आउटसोर्सिंग से चलने लगे।'' अखिलेश ने यहां एक रैली में कहा, ''केंद्र की भाजपा सरकार सब कुछ बेचती चली जा रही है। याद होगा कि अंग्रेज कारोबार करने आए थे। ईस्ट इंडिया कंपनी दो-तीन चीजों का कारोबार करती थी। धीरे-धीरे करके उसने कारोबार बढ़ा लिया और अंग्रेजों ने एक कानून पास किया जिससे ईस्ट इंडिया कंपनी खुद सरकार बन गई।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा एक-एक करके सब कुछ निजी हाथों में बेच रही है। हो सकता है कि एक दिन सरकार ही कंपनी के हाथों बिक जाएगी और सरकार आउटसोर्सिंग से चलने लगेगी। जब सब चीजें बिक जाएंगी तो बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने संविधान में हमें जो अधिकार दिए हैं, वे सब छिन जाएंगे।'' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का आगामी विधानसभा चुनाव देश की तकदीर का चुनाव है, यह नौजवानों और किसानों के भविष्य को तय करने का चुनाव है।

देश-विदेश घूमने वाले पीएम किसानों से नहीं कर सकते बात, प्रियंका बोलीं- पीड़ित परिवार को न्याय चाहिए

वाराणसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लखीमपुर खीरी हिंसा और किसानों के आंदोलन को लेकर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा और कहा कि देश-विदेश घूमने वाले प्रधानमंत्री अपने आवास से कुछ दूरी पर बैठे किसानों से बात नहीं कर सकते। प्रियंका गांधी ने जय माता दी के उद्घोष के साथ भाषण की शुरुआत की। उन्होंने सोनभद्र, उन्नाव, हाथरस की घटनाओं और कोरोना महामारी की दूसरी लहर के समय की स्थिति का उल्लेख करते हुए केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'इस देश में गृह राज्य मंत्री के बेटे ने किसानों को गाड़ी के नीचे कुचल दिया। लेकिन प्रशासन उसे बचाने में लगा रहा... कहीं ऐसा नहीं हुआ होगा कि हत्या के आरोपी को पुलिस निमंत्रण दे कि आपसे पूछताछ करनी है।' प्रियंका गांधी ने दावा किया, 'मुख्यमंत्री ने आरोपी का बचाव दिया। प्रधानमंत्री लखनऊ में उत्सव मनाने आये, लेकिन लखीमपुर खीरी तक नहीं जा सके।' उन्होंने यह दावा किया कि इस सरकार की वजह से देश में लोग न्याय की उम्मीद छोड़ चुके हैं। उन्होंने सवाल किया, 'अगर सरकार, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सभी मिले हुए हैं और किसानों की तरफ से मुंह मोड़ लें तो लोग क्या करें?' प्रियंका ने किसान आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा, 'जब तीनों कानून लागू होंगे तो किसानों की जमीन और फसल छीन ली जाएगी।'

लखीमपुर खीरी की घटना को 'हिन्दू बनाम सिख' की लड़ाई बनाने की हो रही कोशिश: वरूण गांधी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद वरूण गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि लखीमपुर खीरी में पिछले दिनों हुई हिंसा की घटना को हिन्दू बनाम सिख बनाए जाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह कोशिश ना सिर्फ ''अनैतिक व गलत धारणा'' पैदा करने वाली है बल्कि ''खतरनाक'' भी है। वरूण गांधी किसानों के मुद्दे पर लगातार अपनी राय रख रहे हैं। लखीमपुर खीरी में पिछले दिनों हुई हिंसा को लेकर भी उन्होंने वीडियो साझा किए थे और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद भाजपा की नवगठित राष्ट्रीय कार्यसमिति से वरूण को बाहर कर दिया गया था। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ''लखीमपुर खीरी की घटना को हिन्दू बनाम सिख की लड़ाई बनाने की एक कोशिश हो रही है। यह ना सिर्फ अनैतिक व गलत विमर्श पैदा करने वाली है बल्कि ऐसी कोई रेखा खींचना और उनके घावों को हरा करने का प्रयास, जिसे भरने में पीढ़ियां खप गईं, खतरनाक है। हमें राजनीतिक फायदे के लिए राष्ट्रीय एकता को ताक पर नहीं रखना चाहिए।'' गौरतलब है कि लखीमपुर खीरी जिले के तिकोनिया क्षेत्र में गत रविवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध करने के दौरान हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष समेत कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने हिंसा के सिलसिले में आशीष मिश्रा को शनिवार को करीब 12 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। वरूध गांधी ने कहा कि लखीमपुर खीरी में न्याय के लिए संघर्ष गरीब किसानों की निर्दयी हत्या को लेकर है और इसका किसी धर्म विशेष से कोई लेनादेना नहीं है।

अग्रिम जमानत देने से पहले कोर्ट को अपराध की गंभीरता देखनी चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि अदालत को आरोपी को अग्रिम जमानत देते समय अपराध की गंभीरता औरविशिष्ट आरोप जैसे मानदंडों पर गौर करना चाहिए। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने यह टिप्पणी हत्या के दो आरोपियों को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा दी गई अग्रिम जमानत के आदेश को रद्द करते हुए की। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे तय करना है कि इस स्तर पर उपलब्ध सामग्री के आधार पर उच्च न्यायालय ने अग्रिम जमानत देने के लिए सही सिद्धांतों का अनुपालन किया है या नहीं।

पीठ ने कहा, ''अदालतों को अग्रिम जमानत अर्जी को स्वीकार करने या उसे खारिज करते वक्त आम तौर पर अपराध की प्रकृति और गंभीरता, आवेदक की भूमिका और मामले के तथ्यों के आधार पर निर्देशित होना चाहिये।'' उच्चतम न्यायालय ने यह टिप्पणी हत्या के दो आरोपियों को दी गई अग्रिम जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। शीर्ष अदालत ने कहा कि अपराध गंभीर प्रकृति की है, जिसमें एक व्यक्ति की हत्या की गई और प्राथमिकी और बयान संकेत देते हैं कि आरोपी की अपराध में विशेष भूमिका है। पीठ ने कहा,'' अग्रिम जमानत देने का आदेश देते वक्त अपराध की प्रकृति और गंभीरता और आरोपी के खिलाफ विशेष आरोप सहित ठोस तथ्यों को नजरअंदाज किया गया। इसलिए, उच्च न्यायालय द्वारा मंजूर अग्रिम जमानत को रद्द करने के लिए उचित मामला बनाया गया है।''

शीर्ष अदालत ने कहा कि मामले के तथ्यों की बाद में विस्तृत जांच की जाएगी और मौजूदा चरण में वह केवल यह परीक्षण करेगी कि उच्च न्यायालय ने अग्रिम जमानत देते वक्त सही सिद्धांतों का अनुपालन किया या नहीं। पीठ ने कहा,'' मौजूदा स्तर पर तथ्यों का बारीकी से परीक्षण नहीं किया जा सकता जैसा कि फौजदारी मामले की सुनवाई में होता है। जरूरत यह तय करने की है कि एकल न्यायाधीश की पीठ द्वारा अग्रिम जमानत देने का फैसला करते वक्त उसके लिए तय मानकों का सही तरीके से अनुपालन किया गया या नहीं।

ओडिशा में भाजपा विधायक की कार पर हमलावरों ने फेंके बम, बाल-बाल बची जान

क्योंझर। ओडिशा विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक मोहन चरण माझी की कार पर रविवार को क्योंझर जिले में अज्ञात हमलावरों ने बम फेंके, जिसमें वह बाल-बाल बच गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि माझी और उनके सुरक्षा अधिकारी

घटना में घायल नहीं हुए। हालांकि, उनकी कार आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने कहा कि धमाका क्योंझर कस्बा थानांतर्गत मंडुआ इलाके में हुआ, जब भाजपा विधायक श्रमिक संघ की बैठक में भाग लेकर घर लौट रहे थे। माझी ने प्राथमिकी दर्ज कराई और आरोप लगाया कि मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने उनके वाहन पर दो देसी बम फेंके। अधिकारी ने कहा कि विधायक और उनके सुरक्षा अधिकारी ने दोनों व्यक्तियों का पीछा किया, लेकिन वे वहां से भाग गए। आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले तथा क्योंझर से विधायक माझी ने कहा, मैं बैठक में भाग लेकर घर लौट रहा था, तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति मेरी कार के आगे आए और मेरे वाहन पर दो बम फेंके। यह घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 50 मिनट पर हुई।

वोट मांगने का अधिकार सबको, लेकिन गाली देकर वोट नहीं मांगा जा सकता,

कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं, इसलिए वीरभद्र जी के नाम पर मांग रही वोट: जयराम ठाकुर

उदयपुर। (एजेंसी)।

मंडी संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी खुशाल ठाकुर ने रविवार को लाहौल-स्पीति जिले के उदयपुर में लोगों के समर्थन मांगा। इस दौरान मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री और भाजपा प्रत्याशी का उदयपुर पहुंचने जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी जनसभा को संबोधित किया और लोगों से खुशाल ठाकुर को भारी मतों से जिताकर सांसद बनाने की अपील की।

ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर ने मां मृकुला देवी और भगवान त्रिलोकीनाथ से जीत का आशीर्वाद मांगा। खुशाल ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि लाहौल के लोगों के साथ तो मेरा मेरा जीने-मरने का रिश्ता है। उन्होंने कहा कि अटल टनल के निर्माण के वक्त वह लंबे समय तक लाहौल में रहे हैं। इसके अलावा सेना में सेवा देते हुए भी उनका जीवन जनजातीय क्षेत्रों में गुजरा है, इसलिए वो इस क्षेत्र की परिस्थितियों से भी अच्छी तरह से वाकिफ हैं। साल 1948 का जिक्र करते हुए ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर ने कहा कि जब कबाइलियों ने कश्मीर और लद्दाख में हमला किया था तो उस युद्ध में लाहौल के लोगों की भूमिका भी अहम रही है। उन वीरों को सेवियर्स ऑफ लद्दाख माना जाता है। इस दौरान उन्होंने कर्नल पृथी चंद महावीर चक्र, खुशाल चंद महावीर चक्र, कैप्टन भीम चंद वीर चक्र, नायक तोसे राम, लांस नायक कर्म सिंह आदि को भी याद किया। उन्होंने कंचनजंगा को फतह करने वाले कर्नल प्रेम चंद का नाम भी मंच से लिया। ब्रिगेडियर खुशाल ठाकुर ने कहा कि लाहौल-स्पीति के लिए विंटर टूरिज्म, एडवेंचर टूरिज्म, बहुत से काम हो रहे हैं। इसके लिए एक खाका तैयार कर केंद्र में रखेंगे। लाहौल स्पीति के विकास के लिए कमद उठाए जाएंगे। इसके लिए मुझे आपके वोटों की जरूरत है। इसलिए आपके बीच में आपका स्नेह, आपका प्यार मांगने आया हूं। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओं का आभार जताया। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा, 'लाहौल की धरती से ऐसे अनेक वीर सैनिक पैदा हुए जिन्होंने देश को जोड़ने का काम किया। जहां देश की बात आती है, लाहौल के लोग पीठ नहीं दिखाते।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारी सरकार को चार साल पूरे होने वाले हैं, हमने जनजातीय क्षेत्र के विकास में कमी नहीं आने दी। ट्राइबल क्षेत्र का बजट जो कम कर दिया गया था, हमारी सरकार ने उसे दोबारा बढ़ाकर 74 करोड़ किया।' उन्होंने प्रदेश में सबसे पहले 100 फीसदी आबादी को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगाने के लिए लाहौल वासियों को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाहौल स्पीति के लिए जो भी घोषणाएं की गई थीं, वो उपचुनाव के बाद एक-एक कर पूरी की जाएंगी। बीडीओ ऑफिस और फायर ब्रिगेड की मांग को भी पूरा करेंगे। अटल टनल जा जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा, 'अटल जी का सपना आज लाहौल के लिए वरदान बन रहा है। लाहौल के लिए 12 महीने कनेक्टिविटी मिल रही है। अटल जी के इस सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरा किया। जब अन्य राज्यों के लोग ये कहते हैं कि हम मनाली, अटल टनल घूमने जा रहे हैं तो बहुत खुशी होती है। जयराम ठाकुर ने पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि आज वो हमारे बीच नहीं हैं, उनकी कमी हम भी महसूस करते हैं। उनके प्रति सम्मान था, बुजुर्ग के नाते भी और नेता के नाते भी। लेकिन कांग्रेस के पास चुनाव में कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वो केवल वीरभद्र जी के नाम पर ही वोट मांग रही है।

मानसिक स्वास्थ्य में भारतीय परंपरा की भूमिका को चिकित्सा पाठ्यक्रम में किया जाए शामिल: मांडविया

बेंगलुरु। (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को मानसिक स्वास्थ्य में भारतीय परंपरा की भूमिका को चिकित्सा पाठ्यक्रम में शामिल करने के विचार का समर्थन किया। उन्होंने इसके साथ ही राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं स्नायु विज्ञान संस्थान (निमहन्स) का आह्वान किया कि वह इस विषय पर गहनता से अध्ययन करे ताकि सरकार पूरे मामले पर फैसला ले सके और नीति बना सके। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर निमहन्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''हमें मानसिक समस्याओं के इलाज के पारंपरिक तरीकों को समझने की जरूरत है। मैं विचार कर रहा हूं कि क्या हम अपने पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए हमारी परपंराओं की भूमिका को शामिल कर सकते हैं।''

मांडविया ने कहा कि विशेषज्ञों को पारंपरिक पारिवारिक ढांचे का अध्ययन करना चाहिए जिसके बारे में दावा किया जाता है कि उससे स्वतः मानसिक समस्याएं ठीक हो जाती हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे सभी त्योहार मानसिक इलाज का हिस्सा हैं। हमारे धार्मिक समागम और समाजिक कार्यक्रम, हमारी सुबह-शाम की प्रार्थना और हमारी आरती सभी हमारे मानसिक सेहत से जुड़े हैं। इन परंपराओं का इस्तेमाल मानसिक समस्याओं के इलाज में किया जाता है।'' स्वास्थ्य मंत्री ने शिक्षण संस्थानों की भूमिका को अहम करार देते हुए कहा कि निमहन्स को इस मुद्दे पर गहनता से अध्ययन करना चाहिए और समाधान तलाशना चाहिए ताकि सरकार निर्णय ले सके और नीति बना सके।

कोयला संकट के समय केंद्र ने मूंदी आंखें, ऑक्सीजन संकट पर भी यही किया था: मनीष सिसोदिया

इंफाल। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को बिजली संकट को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली संकट को लेकर केंद्र सरकार ने अपनी आंखें बंद कर ली हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी मुद्दा उठाया है लेकिन केंद्र ने आंखें मूंद ली हैं।

संकट के समय भाग रहा केंद्र

उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन संकट के समय में भी केंद्र का यही रवैया था और अब कोयला संकट के समय समाधान ढूढ़ने के बजाय उससे भाग रहे हैं। सिसोदिया ने बताया कि कोयला संकट, बिजली संकट, उद्योग संकट, आपदा यह चारों एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। यह संकट महज कोयले का नहीं है।

दरअसल, मुख्यमंत्री केजरीवाल ने शनिवार को कहा था कि कोयले की कमी के कारण राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में बिजली की आपूर्ति करने वाले उत्पादन संयंत्रों में कोयला और गैस पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था।

वहीं, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने रविवार को बिजली से जुड़े पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद केजरीवाल पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया था और कहा था कि हमारे पास पर्याप्त स्टॉक है और बिजली का कोई संकट नहीं है।

डेनमार्क की पीएम एम फेडरिक्सन ने ताजमहल का किया दीदार, बताया बेहद खूबसूरत स्थान

आगरा। (एजेंसी)।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री एम फ्रेडरिक्सन और उनके पति बो टेंगबर्ग ने रविवार की सुबह ताजमहल का दीदार किया और इसे बेहद खूबसूरत स्थान बताया। फ्रेडरिक्सन शनिवार की शाम साढ़े आठ बजे आगरा स्थित वायुसेना अड्डे पर पहुंचीं। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद डेनमार्क की प्रधानमंत्री वहां से रात्रि विश्राम के लिये होटल चली गयी। रविवार की सुबह फ्रेडरिक्सन और उनके पति तथा एक शिष्टमंडल इको फ्रेंडली वाहन में ताजमहल पहुंचा, जहां उनका स्वागत ब्रज के स्थानीय कलाकारों ने किया। फ्रेडरिक्सन ने अपने पति के साथ ताजमहल के अंदर डेढ़ घंटा बिताया और परिचारक द्वारा बताए गए इस स्मारक के इतिहास में उन्होंने काफी दिलचस्पी दिखायी।

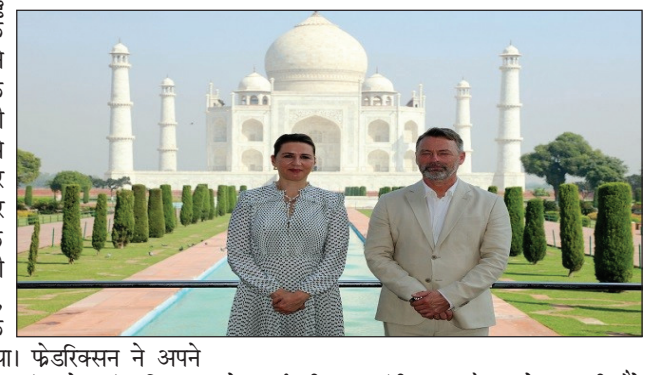

विजिटर्स बुक में डेनमार्क के प्रधानमंत्री ने धन्यवाद व्यक्त किया और लिखा, ''यह स्थान बेहद सुंदर है।'' ताजमहल का दीदार करने के बाद प्रधानमंत्री आगरा के किले भी गये। आगरा परिक्षेत्र के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अनुसार, अतिविशिष्ट व्यक्ति के दौरे के कारण ताजमहल और आगरा के किले को दो घंटे के लिये बंद कर दिया गया था।

डेनमार्क की प्रधानमंत्री भारत के पहले सरकारी दौरे पर आयी हैं। वह शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंची थीं, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात की।

नवजोत सिद्धू पाकिस्तान के जनरल को झप्पी पाते है, कन्हैया कुमार जेएनयू में देश के टुकड़े होंगे इंशा अल्ला, हर घर मे अफ़ज़ल के नारे लगाते है: गणेश दत्त

शिमला (एजेंसी)।

भाजपा के चुनाव प्रबंधन समिति के प्रमुख एवं हिम्फेड के चेयरमैन गणेश दत्त ने भाजपा मुख्यालय शिमला में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता की मुश्किल समय मे हर संभव मद की, कोरोना काल मे प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका अहम रही है उसके लिए देश और प्रदेश उनका आभारी है।

कोविड महामारी के समय कोई भूखा ना रहे इसके लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के3 अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटा यह पूरे विश्व मे बड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की 96 करोड़ जनता को मुफ्त वैक्सीनशन प्रधान लगवाई है को और हमारे मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृव में हिमाचल नो वन आया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल को अपना दूसरा घर मानते है। उन्होंने उत्तराखंड में हिमाचल टोपी और शॉल पहनीं थी, हिमाचल के लिए यह गर्व की बात है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकर हिमाचल के सपूत है। देश और हिमाचल में समन्वय बना रहे और विकास की धारा हिमाचल में चलती रहे इसके लिए इन चुनावों में भजापा को जितना है। केंद्र में भाजपा , प्रदेश में भाजपा और उपचुनाव में भाजपा ही होगा। गणेश दत्त ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण की कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय द्रोहियों के चंगुल में फाँसी है, कांग्रेस के

3 स्टार प्रचारक नवजोत सिद्धू पाकिस्तान के जनरल को झप्पी पाते है, कन्हैया कुमार जेएनयू में देश के टुकड़े होंगे इंशा अल्ला, हर घर मे अफ़ज़ल के नारे लगाते है। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का आचरण महिलाओं के प्रति ठीक नहीं है।यह कांग्रेस की सोच को दर्शाता है। प्रदेश फैसला करे कि देश द्रोहियों के साथ जाना है या राष्ट्रवादियों के जाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के सम्मान की बात करती है और कांग्रेस देश के टुकड़े करने की बात करती है। कांग्रेस पार्टी अपनी नीति को स्पष्ट करे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

जम्मू-कश्मीर-लद्दाख हाईवे पर बर्फबारी में भी दौड़ते रहेंगी गाड़ियां, सरकार बनाएगी 3 टनल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पाकिस्तान-चीन सीमा तक सड़क संपर्क सुदृढ़ करने के लिए लद्दाख क्षेत्र में तीन नई टनल बनाने जा रही है। इनके निर्माण से जीवन रेखा माने जाने वाला जम्मू-कश्मीर-लद्दाख हाईवे संख्या-1 पर यातायात सुगम व तेज होगा। टनलों के बनने से बर्फबारी में वाहन दौड़ते रहेंगे। सर्दियों में यह क्षेत्र छह माह के लिए कट जाता है। चीन से चल रहे तनाव को देखते हुए सामरिक दृष्टि से यह परियोजना काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वहीं पर्यटन बढ़ने से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और व्यापार में भी बढोतरी होगी। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय के सार्वजनिक उपक्रम एनएचएआईडीसीएल ने पिछले महीने तीनों टनल की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) व निर्माण से पूर्व की गतिविधियों को लेकर तकनीकी कंसल्टेंट नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लद्दाख क्षेत्र में 23 किलोमीटर के खारदुंगला दर्रा, 9 किलोमीटर के नामिका ला दर्रा, 11 किलोमीटर के फोटु ला दर्रा (कुल 43 किलोमीटर) में टनल व अप्रोच राष्ट्रीय राजमार्ग बनाया जाएगा। तकनीकी कंसल्टेंट से प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आरएफपी) मांगे गए हैं। इनके चयन की प्रक्रिया अक्तूबर माह तक पूरी कर ली जाएगी। इसके पश्चात तीनों टनलों की निर्माण पूर्व की गतिविधियों और डीपीआर बनाने का काम एक साथ शुरू कर दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि इस परियोजना को तीन पैकेज में पूरा किया जाना है। इसकी लागत और निर्माण पूरा होने की तारीख डीपीआर बनने के बाद पता चलेगी। उन्होंने बताया कि उक्त परियोजना का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि टनलों के बनने से जम्मू-कश्मीर-लद्दाख नेशनल हाइवे संख्या-1 पर सालभर सड़क संपर्क बना रहेगा।

अमित शाह बोले

पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के हैं तीन हिस्से, जोखिम लेकर फैसले लेने में सबसे आगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी के शासन के 20 साल पूरे होने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सरकारी न्यूज चैनल संसद टीवी को एक खास साक्षात्कार दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का जीवन हमेशा से सार्वजनिक रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा से प्रशासन की बारिकियों से समझा है। शाह ने कहा कि पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के तीन हिस्से किए जा सकते हैं। एक भाजपा में आने के बाद पहला कालखंड संगठनात्मक काम का था। दूसरा कालखंड उनके गुजरात के मुख्यमंत्रित्व काल का था और तीसरा राष्ट्रीय राजनीति में आकर वो प्रधानमंत्री बनें।

पीएम मोदी के तीनों कालखंड चुनौतीपूर्ण

अमेत शाह ने कहा कि पीएम मोदी के ये तीनों कालखंड बेहद चुनौतीपूर्ण रहे। जब पीएम को भाजपा में भेजा गया, वो संगठन मंत्री बनें तो उस समय भाजपा की स्थिति सही नहीं थी। गुजरात कोई पहले से भाजपा के अनुकूल राज्य नहीं था। गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने धैर्यपूर्ण तरीके से प्रशासन की बारीकियों को समझा और विशेषज्ञों को प्रशासन के साथ जोड़ा उनकी चीजों को योजनाओं में तब्दील किया और उन योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया। शाह ने कहा कि गुजरात में सबसे ज्यादा आदिवासी उपेक्षित थे। कांग्रेस ने उनका वोटबैंक की तरह इस्तेमाल तो किया लेकिन कभी उन तक विकास नहीं पहुंचाया। पीएम मोदी ने पहली बार 2003 के बजट में सारी बिखरी हुई योजनाओं को जोड़ा और संविधान के अनुसार उनकी जनसंख्या के हिसाब से उनको अधिकार दिए। नरेंद्र मोदी के गुजरात में सफल मुख्यमंत्री काल के दौरान देश के लोगों में आशा की किरण जागी कि मल्टी पार्टी डेमोक्रेटिक सिस्टम में कोई दोष नहीं है, ये सफल हो सकती है। ये अंतिम व्यक्ति तक जा सकती है।

अमेत शाह ने कहा कि पीएम मोदी के ये तीनों कालखंड बेहद चुनौतीपूर्ण रहे। जब पीएम को भाजपा में भेजा गया, वो संगठन मंत्री बनें तो उस समय भाजपा की स्थिति सही नहीं थी। गुजरात कोई पहले से भाजपा के अनुकूल राज्य नहीं था। गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने धैर्यपूर्ण तरीके से प्रशासन की बारीकियों को समझा और विशेषज्ञों को प्रशासन के साथ जोड़ा उनकी चीजों को योजनाओं में तब्दील किया और उन योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया।

2022 में पूरी तरह डिजिटल होगी यात्रा की प्रक्रिया

2020-21 में आवेदन करने वाली महिलाओं को फिर से मिलेगा मौका

नई दिल्ली। दो साल से हज यात्रा की राह देख रहे लोगों के लिए खुशखबरी है। केंद्र सरकार ने इस साल हज यात्रा के लिए तैयारी शुरू कर दी है। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मुंबई स्थित हज हाउस में ऑनलाइन बुकिंग केंद्र के उद्घाटन के दौरान कहा कि भारत में 2022 की हज यात्रा की पूरी प्रक्रिया 100 प्रतिशत डिजिटल होगी। हालांकि, इसकी घोषणा 21 अक्तूबर को होने वाली समीक्षा बैठक के बाद की जाएगी। नकवी ने बताया कि इस बैठक में अल्पसंख्यक मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं नागर विमानन मंत्रालय के अधिकारी, सऊदी अरब में भारत के राजदूत, जेद्दा में भारत के महावाणिज्यदूत और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

20-2021 में आवेदन करने वाली महिलाओं को मिलेगा मौका

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 2020 व 2021 में कोरोना के चलते हज यात्रा नहीं हो पाई थी। 2020 में 700 से अधिक महिलाओं ने मेहरम' (पुरुष साथी) के बिना आवेदन किया था। वहीं 2021 में 2100 से अधिक महिलाओं के आवेदन आए थे। इन महिलाओं को 2022 में हज यात्रा का दोबारा मौका दिया जाएगा, अगर वे यात्रा पर जाना चाहेंगी।

इंडोनेशिया के बाद सबसे ज्यादा भारत से जाते हैं यात्री

मंत्री ने बताया कि भारत से बड़ी संख्या में लोग हज यात्रा को जाते हैं। इंडोनिशिया से सबसे ज्यादा यात्री जाते हैं, इसके बाद दूसरा नंबर भारत का है। यहां से सबसे ज्यादा संख्या में हज यात्री भेजे जाते हैं।

छत्तीसगढ़ झंडा विवाद

शहर की सीमाएं रहेंगी सील, कवर्धा में 1000 के खिलाफ एफआइआर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कवर्धा स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने बताया कि कवर्धा दंगा मामले में अब तक एक हजार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। कुल 172 लोगों की पहचान हुई है, जिसमें से पुलिस ने 93 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में 24 लोग कोरबा, मुंगेली, बेमेतरा सहित अन्य जिलों के निवासी हैं। प्रकरण में अलग-अलग सात एफआइआर दर्ज की गई हैं। गौरतलब है कि कवर्धा में गत रविवार को झंडा लगाने और हटाने के विवाद ने सांप्रदायिक दंगे का रूप ले लिया था। दो संप्रदायों के बीच काफी तनाव की स्थिति रही। एसपी गर्ग ने बताया कि विभिन्न माध्यमों से मिले वीडियो फुटेज और फोटो से आरोपितों की पहचान की जा रही है। अगर किसी के पास घटना से जुड़े डिजिटल तथ्य हों तो वे पुलिस को सौंप सकते हैं। आइजी विवेकानंद सिन्हा ने बताया कि इंटरनेट मीडिया व यूट्यूब से कुछ आपत्तिजनक वीडियो हटवाए गए हैं। मामले की अभी जांच जारी है। धारा 144 अभी लागू रहेगी। कवर्धा कलेक्टर रमेश कुमार शर्मा ने बताया कि आम लोग सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक शहर के भीतर आवाजाही करते हुए अपना कामकाज कर सकेंगे। इस दौरान शहर की सीमाएं पहले की तरह की सील रहेंगी। बाहर के लोग शहर में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। अलबत्ता, इंटरनेट सुविधा बहाल कर दी गई है।

पांच दिन बाद आई शांति-सांप्रदायिक बवाल के पांच दिन बाद शनिवार को कवर्धा शहर में अमन-शांति रही। बाजार खुले। ठेले-खोमचे वालों ने भी दुकानें सजाईं। हालांकि, सुरक्षा के मद्देनजर शाम होते ही बाजार बंद करा दिए गए। इस दौरान पुलिस अलर्ट रही। प्रदेश सरकार ने कवर्धा की घटना को भाजपा की साजिश करार दिया है। वरिष्ठ विधायक व मंत्री रविंद्र चौबे, मोहम्मद अकबर और प्रेमसाय सिंह टेकाम ने शनिवार को पत्रकारवार्ता कर भाजपा पर दो लोगों के विवाद को सांप्रदायिक रंग देने की साजिश करने का आरोप लगाया।

14 अक्तूबर तक केरल और कर्नाटक में भारी बारिश, महाराष्ट्र और गोवा में भी बादल बरसने के आसार

दक्षिण भारत में बारिश को लेकर मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की मानें तो 11 अक्तूबर से 14 अक्तूबर के बीच झमाझम बारिश हो सकती है। अगले सप्ताह तीन दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

नई दिल्ली। दक्षिण भारत में बारिश का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। केरल, कर्नाटक और तेलंगाना के कुछ हिस्सों में अभी और बारिश होगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 11, 12 और 13 अक्तूबर को केरल के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं , कर्नाटक के तटीय इलाकों में 11 से 13 अक्तूबर तक और उत्तर में अंदरुनी इलाकों में 10, 12 और 13 अक्तूबर को भारी बारिश की आशंका है। इसके अलावा रायासीमा में भी 14 अक्तूबर तक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, आंध्र प्रदेश के दक्षिण तटीय इलाके भी बारिश से सराबोर हो सकते हैं। गोवा और कोंकण में भी अगले हफ्ते यानी 11 अक्तूबर से बारिश हो सकती है। वहीं मध्य महाराष्ट्र में 10 और 11 अक्तूबर को बारिश के आसार हैं।

आंध्रप्रेश के तटीय इलाकों में 13 अक्तूबर तक बारिश की संभावना

वहीं कर्नाटक के तटीय इलाकों में 11 से 13 अक्तूबर तक और अंदरुनी इलाकों में 10 और 13 अक्तूबर को भारी बारिश की आशंका है। इसके अलावा रायासीमा में भी 14 अक्तूबर तक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, आंध्र प्रदेश के दक्षिण तटीय इलाके भी बारिश से सराबोर हो सकते हैं। गोवा और कोंकण में भी अगले हफ्ते यानी 11 अक्तूबर से बारिश हो सकती है। वहीं मध्य महाराष्ट्र में 10 और 11 अक्तूबर तक बारिश की संभावना है

इन इलाकों में भारी बारिश की आशंका-केरल में तिरुअनंतपुरम, कोल्लम , पठनमथिट्टा, अलापुझा , कोट्टायम, अर्नाकुलम और इडुक्की में भारी बारिश की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार, आंध्र प्रदेश के दक्षिण तटीय इलाके भी बारिश से सराबोर हो सकते हैं। गोवा और कोंकण में भी अगले हफ्ते यानी 11 अक्तूबर से बारिश हो सकती है। वहीं मध्य महाराष्ट्र में 10 और 11 अक्तूबर को बारिश के आसार हैं।

भारत के इस राज्य में सुबह-सबुह कांपी धरती, रिक्टर स्केल पर क्या रही तीव्रता

बेंगलुरु। सुबह-सुबह भूकंप के झटके से कर्नाटक की धरती हिल गई। कर्नाटक के गुलबर्गा में रविवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने भूकंप की पुष्टि की है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, गुलबर्गा में सुबह करीब छह बजे 3.4 तीव्रता का भूकंप आया। फिलहाल, इस भूकंप में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दरअसल, कर्नाटक के गुलबर्गा इलाके में सुबह-सुबह जब भूकंप आया तो लोग अपने घरों से निकलकर बाहर भागते दिखे। लोग इस भूकंप से काफी सहमे दिखाई दिए। फिलहाल, इस भूकंप से कोई नुकसान हुआ है या नहीं, अभी तक इसका पता नहीं चल पाया है।

भूकंप आने पर क्या करें?

- भूकंप आने के बाद अगर आप घर में हैं तो कोशिश करें कि फर्श पर बैठ जाएं।

- या फिर अगर आपके घर में टेबल या फर्नीचर है तो उसके नीचे बैठकर हाथ से सिर को ढक लेना चाहिए।

- भूकंप आने के दौरान घर के अंदर ही रहें और जब झटके रुकने के बाद ही बाहर निकलें।

- भूकंप के दौरान घर के सभी बिजली स्विच को ऑफ कर दें।

सुप्रीम कोर्ट लाइव स्ट्रीमिंग के लिए हो रहा तैयार, जल्द कोर्ट में होगी फिजिकल सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कोर्ट को हमें फिजिकल करना होगा। वर्चुअल सुनवाई को मानक बनाकर जारी नहीं रखा जा सकता। जहां तक नागरिकों को कोर्ट सुनवाई से रूबरू करवाना है तो इसके लिए लाइव स्ट्रीमिंग से उन्हें कोर्ट कार्रवाई में शामिल किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि स्वप्निल त्रिपाठी केस में दी गई व्यवस्था के अनुसार कोर्ट की लाइव स्ट्रीमिंग के बंदोबस्त किए जा रहे हैं। जस्टिस एलएन राव और बीआर गवई पीठ ने ये टिप्पणियां एक याचिका पर की जिसमें कहा गया था कि अदालतों की सुनवाई को हाईब्रिड रखा यानी फिजिकल और वर्चुअल दोनों रखा जाए। कोर्ट ने कहा कि हाइब्रिड सुनवाई संभव नहीं है क्योंकि यह नहीं हो सकता कि जज तो कोर्ट रूम में बैठकर और वकील पर्यटन स्थल पर बैठकर वीडियो कांफ्रेंसिंग से मुकदमे में पेश हों। पीठ ने कहा कि यह तर्क स्वीकार नहीं किया जा सकता कि वर्चुअल सुनवाई ने लोगों की न्याय तक पहुंच को संवर्धित किया है। लोगों को खुली अदालत और खुले न्याय के लिए समझाना पड़ेगा। अदालती कार्यवाही की टेलीकास्ट अलग चीज है जबकि यह कहना कि कोविड से उबरने के बाद यह संस्थान बंद कर दिया जाए क्योंकि वर्चुअल सुनवाई अब मौलिक अधिकार है, एकदम अलग चीज है। कोर्ट ने कहा कि देखा है कि पिछले दो माह में लोगों को फिजिकल सुनवाई का हफ्ते में हफ्ते में दो दिन मौका दिया लेकिन भी वकील कोर्ट में पेश नहीं हुआ। क्योंकि यदि लोगों के पास विकल्प हो तो वह अपने आफिस में बहुत आराम से रहते हैं। कोर्ट ने कहा कि अदालती कार्रवाई के लाइव टेलीकास्ट के बारे में नियम विचाराधीन हैं और एक बार शुरु होने जाने से लोगों को सुनवाई का अधिकार घर बैठे मिल जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने तीन वर्ष पूर्व दिए फैसले में व्यवस्था दी थी कि संवैधानिक कोर्टों की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग की जाए और रजिस्ट्री इसके लिए नियम बनाए। कोर्ट ने कहा कि पहले संवैधानिक अदालतों का लाइव टेलीकास्ट होगा उसके बाद निचली अदालतों में यह व्यवस्था लागू की जाएगी।

कोर्ट ने कहा कि अदालती कार्रवाई के लाइव टेलीकास्ट के बारे में नियम विचाराधीन हैं और एक बार शुरु होने जाने से लोगों को सुनवाई का अधिकार घर बैठे मिल जाएगा।

आतंकियों के खिलाफ जम्मू कश्मीर में बड़ा अभियान

नई दिल्ली। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू कश्मीर में 16 ठिकानों पर छापेमारी की है। ये छापेमारी वायस आफ हिंद मैगजीन के पब्लिकेशन और आईईडी रिकवरी केस में की गई है। आपको बता दें कि इस मैगजीन के जरिए राज्य के युवाओं को कट्टरवाद का पाठ पढ़ाया जा रहा है। इस मैगजीन के जरिए कट्टरपंथी ताकते युवाओं में भारत के प्रति नफरत फैलाने का काम कर रही हैं। इस मामले में इस वर्ष 11 जुलाई को भी एनआईए ने छापेमारी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया था जिसमें उमर निसार, तनवीर अहमद भट और रमीज अहम लोन शामिल था। आईएसआईएस वायस हिंद मामला और भठिंडी IED रिकवरी केस इसी मामले में कर्नाटक के दो ठिकानों पर भी छापेमारी हुई थी। आपको बता दें कि इस मामले को 29 जून को दर्ज किया गया था। इसमें कहा गया था कि आतंकी संगठन आईएस अपने पब्लिकेशन वायस हिंद के जरिए भारत में कट्टरता और चरमपंथ को बढ़ावा देने और भारत के खिलाफ जेहाद शुरू करने की कोशिश में लगा है।

एनआईए का कहना है कि भारत में आईएस के विभिन्न कैडर काम कर रहे हैं। इनका सबसे मुख्य काम यहां पर नेटवर्क तैयार करना है और अपने मकसद को आगे बढ़ाना है। अबु हाजिर अल बदरी उस मास्टरमाइंड का नाम है जो वायस आफ हिंद का विभिन्न दक्षिण भारत की भाषाओं में

ट्रांसलेट करता है। मामले में 6 अगस्त को एनआईए ने जुफ्री जावहर दामुदी को कर्नाटक से गिरफ्तार किया था। दामुदी अदनान हसन दामुदी का छोटा भाई है जिसको वर्ष 2016 में गिरफ्तार किया गया था। जुफ्री का संबंध अफगानिस्तान और पाकिस्तान में मौजूद आईएस के आकाओं से है।

गौरतलब है कि हाल के कुछ दिनों में आतंकियों ने राज्य में हुइ आम लोगों की हत्याओं को अंजाम दिया है। इसके बाद केंद्र सरकार भी इन घटनाओं को लेकर गंभीर हो गई है। इन घटनाओं को अंजाम देने वाले आतंकवादियों की तेजी से धरपकड़ भी की जा रही है। घाटी में पांच नागरिकों की हत्या के बाद हुई कार्रवाई में अब तक 550 से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। इसमें श्रीनगर से ही 70 लोगों को हिरासत में लिया गया है। हाल के दिनों में हुई आतंकी घटनाओं से देश के अल्पसंख्यक समुदाय में भी गुस्सा साफतौर पर दिखाई दे रहा है। टार्गेट कीलिंग से हर किसी में गुस्सा है। हालिया घटनाओं और राज्य की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच बैठक भी हुई है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों के शीर्ष अधिकारी घाटी में डेरा जमाए हुए हैं। इससे पहले भी केंद्र में अमित शाह के नेतृत्व में एक हाईलेवल बैठक हुई थी जिसमें जम्मू कश्मीर में अल्पसंख्यंकों की सुरक्षा को अहम बताया गया था। इसमें ये भी तय हुआ कि सुरक्षा बल समेत सभी एजेंसियां तुरंत इसके लिए कदम उठाएं। बता दें कि इस वर्ष आतंकियों ने करीब 25 आम नागरिकों की हत्या की है।

गौरतलब है कि शिक्षिका सपिंदर कौर के अंतिम संस्कार में पिछले दिनों काफी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया था। इसके अलावा दवा कारोबारी माखनलाल बिंदरू की बेटी ने अपने पिता की हत्या करने वाले आतंकियों को आमने सामने बहस करने की चुनौती दी थी। उनका कहना था कि उनके पिता की मौत से उनका जज्बा कम नहीं होने वाला है।

सूबे में हुई हालिया घटनाओं पर पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्लाह ने भी चिंता जताई है। हालांकि दोनों ने ही इसको लेकर केंद्र पर निशाना भी साधा था। महबूबा का कहना था कि समाज में किसी भी तरह की हिंसा और आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इन दोनों ने ही ट्वीट कर घटनाओं की निंदा की थी।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-987914180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com